

राधा सखी गुप का तीज मिलन हषील्लास के साथ संपन्न, बच्चों ने दिया सामाजिक संदेश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राधा सखी गुप द्वारा 31 अगस्त को वाफना मंगलम में तीज मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए मनोरंजक खेल, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं।

कार्यक्रम का संचालन विजयलक्ष्मी ने किया। समारोह का मुख्य आकर्षण बच्चों की प्रस्तुति रही। बच्चों ने सिया और केतन को दुर्घटना पर आधारित एक्ट के जरिए संदेश दिया कि हर बच्चा माता-पिता के लिए अनमोल है और छोटी सी लापरवाही परिवार को जीवनभर का दुख दे सकती है। प्रस्तुति ने सभी को भावुक कर दिया।

जन्माष्टमी के अवसर पर बच्चों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनमोहक मंचन कर वातावरण भक्तिमय बना दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई की पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी रजनी नेल्सन, रबी राय विशेषज्ञ डॉ. सावर्ती बंसल,



अर्चना वर्मा, शबाना नाज, डॉ. भावना दिवाकर, माया शर्मा और ममता गोस्वामी उपस्थित रहीं। अतिथियों ने कहा कि ऐसे आयोजन मनोरंजन के साथ सामाजिक संदेश भी देते हैं। अध्यक्ष रुचि तनेजा के साथ संगीता शर्मा, उपारना सोनी, शीतल चावड़ा और अंकिता सहित पूरी टीम का आयोजन में योगदान रहा।

खास खबर

राम मंदिर ट्रस्ट के पहले CEO बने रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा

नई दृष्टिबिंदु / अयोध्या



श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने पहली बार पुणःकालिक उग्रह की नियुक्ति की है। भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को पहला उग्रह बनाया गया है। ट्रस्ट की बैठक में यह फैसला लिया गया। उग्रह पद के लिए 5,585 आवेदन आए थे, जिसमें से 16 को शॉर्टलिस्ट कर अंतिम 3 के फैलन में से मिश्रा को चुना गया। 16 दिसंबर 1986 को वायुसेना में कमीशन लेने वाले मिश्रा ने लगभग 40 साल सेवा की। वे 1 जनवरी 2025 को वेस्टर्न एयर कमांड के प्रमुख बने और 30 अप्रैल 2026 को रिटायर हुए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कमांड लीड करने के लिए उन्हें सर्वोच्च युद्ध सेवा मेडल मिला है।

साथ ही 3 नए ट्यूटी भी बनाए गए हैं - दिल्ली के व्यवसायी महेश भागचंदका (नए कोषाध्यक्ष), अयोध्या के अधिवक्ता मदन मोहन पांडे और शिवकोहावाद की डॉ. निमला यादव। गोविंद देव गिरि को नया महासचिव बनाया गया है।

नेपाल में ग्लेशियर झील फटने से तबाही, यूपी - बिहार में बाढ़ का अलर्ट

नई दिल्ली। नेपाल-तिब्बत सीमा पर 26 अगस्त को ग्लेशियल लेक आउटवर्स्ट फ्लड (GLOF) के बाद भारत में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। भोजपुरी - विशुली - नारायणी होते हुए यानी गंडक के रूप में बिहार और यूपी में आता है। विशुली नदी में फुर्कें खोला के पास जलस्तर अचानक बढ़ने के बाद केंद्रीय जल आयोग ने अलर्ट जारी किया है। उत्तराखण्ड बिहार में 9 और यूपी में 11 टीमें तैनात की हैं, 4 टीमें नेपाल के लिए रेडिबाय पर रखी गई हैं। बिहार के पश्चिमी चंपारण, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सीतामढ़ी और यूपी के कुशीनगर, महाराजगंज जिलों पर ख़यादा खतरा है। उद्भूत के अनुसार हिमालय में सैकड़ों ऐसी झीलें हाई रिस्क हैं। 2023 में सिक्किम में साउथ ब्लौनक झील फटने से भी ऐसी ही तबाही हुई थी।

दिशा सालियान मौत मामले में CBI जांच के आदेश



मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत मामले में उद्भूत जांच का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सारंग कोतावाल और एनजीएसिंह भोसले की बेंच ने उद्भूत जांच डायरेक्टर को उद्भूत दर्ज कर सीनियर अधिकारी नियुक्त करने और पिता सतीश सालियान का बयान दर्ज करने को कहा है। मालवानी पुलिस को सारे रिकॉर्ड उद्भूत कर सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। 18 जून 2020 को मलाइ में 14वीं मंजिल से गिरने से दिशा की मौत हुई थी, पुलिस ने अक्मदज की थी। 16 दिन बाद सुशांत की मौत के बाद मामला फिर चर्चा में आया। पिता ने याचिका में रप और हत्या का आरोप लगाते हुए उद्भूत जांच और उद्भूत जांच मांगी थी। कोर्ट ने कहा कि बिना पर्याप्त सबूत किसी को आरोपी न माना जाए।

दुर्ग में व्यापारी कर संवाद, GST-आयकर पर हुई चर्चा, बड़ी संख्या में व्यापारी हुए शामिल

व्यापारियों की समस्याओं और जिज्ञासाओं का अधिकारियों ने समाधान बताया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आनंद रिसोर्ट में आज "व्यापारी कर संवाद" कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भाजपा नेता कन्हैया सोनी प्रमुख रूप से शामिल हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नारायण सिंह तिवारी, सरफा एसोसिएशन अध्यक्ष प्रकाश सोखला, प्रदेश महामंत्री अजय सिंह सहित दुर्ग-भिलाई के व्यापारी और आयकर विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान GST और आयकर से जुड़े विषयों, कर



व्यवस्था को सरल बनाने और अनुपालन को लेकर व्यापारियों

और अधिकारियों के बीच सीधा संवाद हुआ। व्यापारियों की

समस्याओं और जिज्ञासाओं का अधिकारियों ने समाधान बताया।

राज्य अलंकरण से सम्मानित मोनिका साहू का विधायक ललित चंद्राकर ने किया सम्मान



दुर्ग। तलवारबाजी में छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने वाली कु. मोनिका साहू को शहीद राजीव पांडेय अलंकरण मिलने पर विधायक ललित चंद्राकर ने सम्मानित किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंद्रखुरी में आयोजित समारोह में विधायक ने शाल, श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर बधाई दी। विधायक ने कहा कि मोनिका ने अपनी मेहनत से दुर्ग ग्रामीण सहित पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उनकी उपलब्धि क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा है। सरकार विद्यालयों को हर संभव सहायता दे रही है। कार्यक्रम में प्राचार्य शिखामिश्रा, शाला विकास समिति अध्यक्ष राजेंद्र चंद्राकर, खेलमाल चंद्राकर सहित शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा मरोदा-पुरैना और रिसाली मंडल की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / रिसाली

भारतीय जनता पार्टी के मरोदा-पुरैना एवं रिसाली मंडल की संयुक्त संगठनात्मक बैठक आशीर्वाद भवन, रिसाली मैत्री कुंज में हुई। बैठक में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर और भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने मार्गदर्शन दिया। वृहद तीज महोत्सव 2026 की तैयारियों, वृथ सशक्तिकरण और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा हुई।

विधायक चंद्राकर ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता हो सक्रियता को सराहनीय



है, जबकि जिला अध्यक्ष कौशिक ने कार्यकर्ताओं को सक्रियता को सराहनीय

बताया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, राजीव पाण्डेय, महिला मोर्चा

जिलाध्यक्ष तुषि चंद्राकर, संस्कृति वर्मा, शैलेन्द्र साहू, राजू जंघेल, अनुपम साहू

सहित दोनों मंडलों के पदाधिकारी व पार्षद उपस्थित रहे।

जेएलएन चिकित्सालय में 'सेव आ लाइफ' सीपीसीआर कायर्शाला का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई, 2 सितंबर।* सेल-भिलाई इस्पताल संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा। सितंबर को हाससेव आ लाइफ पहल के तहत मासिक हैड्स-ऑनली सीपीसीआर प्रशिक्षण कायर्शाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. उदय कुमार और डॉ. संविता पंडा के मार्गदर्शन में डॉ. तनुजा आनंद एवं डॉ. प्रिया पंकज ने टीम के साथ संचालित किया।

कायर्शाला में एक प्रतिभागी ने बताया कि कैसे सीपीसीआर प्रशिक्षण से उन्होंने कार्यस्थल पर सहकर्मी को हृदयाघात आने पर जीवन बचाया। इस अनुभव ने सभी को



प्रेरित किया। विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने मैनिकिन पर चेस्ट कंप्रेशन का अभ्यास

किया और विशेषज्ञों ने आपातकालीन हृदय देखभाल से जुड़े सवाल-जवाब दिए।

भिलाई में MIC बैठकों में चाय-नाश्ते के नाम पर फर्जीवाड़ा

सहसपुर को मिला नया 33/11 केवी उपकेंद्र, सांसद विजय बघेल ने किया लोकार्पण

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई में मेयर इन कार्डसिल (टक्क) की बैठकों में चाय-नाश्ता और अल्पाहार के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। आम आदमी पार्टी के नेता जसप्रीत सिंह ने कलेक्टर दुर्ग को ज्ञापन सौंपकर उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की है।

जसप्रीत ने च्फक्र के तहत अंतिम टक्क बैठकों में हुए चाय-नाश्ते के खर्च के बिल मांगे थे। जानकारी न मिलने पर प्रथम अपीलीय अधिकारी अपर आयुक्त के समक्ष अपील (क्रमांक 90) की 121 जुलाई 2026 के आदेश पर निगम ने जो दस्तावेज दिए, उनमें गड़बड़ी मिली।

1. अस्तित्वहीन दुकान: दस्तावेजों में 'चाहत केटरर्स, शांति' नं. 4, गोल मार्केट, भिलाई के नाम से 16 मार्च और 17 मार्च 2026 के बिल लगे हैं। मौके पर जांच में इस नाम की कोई दुकान नहीं मिली। बिल पर दर्ज नंबर पर संपर्क करने पर गोल-गोल जवाब मिला।

राशि में अंतर: जनरल वाउचर दिनांक 29 जुलाई 2026 में कुल देय राशि 26,950 रुपये दर्शाई गई है, जबकि दोनों बिलों का योग 22,450 रुपये ही बनता है। (16 मार्च - 3,500 रु. + 17 मार्च - 18,950 रु.)। 4,500 रुपये का अंतर है।

3. अवधि का झोल: वाउचर में खर्च अवधि 25 फरवरी से 17 मार्च 2026 बताई गई है, लेकिन बिल केवल 2 दिन के ही संलग्न हैं। बाकी 19 दिनों का कोई बिल नहीं, फिर भी भुगतान पूरा दिखाया गया। सचिवालय कमचारियों के नाम दस्ती रसीद से राशि आहरित की गई है।

जसप्रीत ने मांग की है कि फर्जी बिल और वाउचरों की स्वतंत्र जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों-कमचारियों पर ख़तरा दर्ज की जाए।

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

केमेटरा संभारा के ग्राम सहसपुर में 2.37 करोड़ की लागत से बने 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण दुर्ग सांसद विजय बघेल ने 31 अगस्त को किया। इस उपकेंद्र से सहसपुर, लुक, नवकसा, लालपुर, बुंदेली, रुसे, पेंड्रावन, गाड़ाडीह और गोदमरा सहित 9 गांवों के हजारों उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

लो-वोल्टेज और ट्रिपिंग की समस्या खत्म होगी। सांसद बघेल ने कहा कि बोरवेल ज्यादा होने से लोड बढ़ रहा था, मात्र 4 महीने में भूमिपूजन से लोकार्पण तक का काम पूरा होना विभाग की तत्परता है। किसानों को अब कृषि के लिए पर्याप्त बिजली मिलेगी। अध्यक्षता साजा विधायक ईश्वर साहू ने की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में और उपकेंद्र बनेंगे। कार्यक्रम में तेलुगुनी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, कायर्पालन अभियंता एडी टंडन, एमके शुक्ला सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

खास खबर

अटैंडेंस ऐप पर भड़की टीचर, बोली नेताओं-अफसरों पर भी लागू हो नियम

नई दृष्टिविंदु / राजगीर-यांघा

नवागढ़ ब्लॉक से एक शिक्षिका का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे नए ऑनलाइन अटैंडेंस ऐप का विरोध करती दिख रही हैं।

छत्तीसगढ़ी में बनाए वीडियो में शिक्षिका ने कहा कि ऐप से शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है। अगर शिक्षकों के लिए समय पर उपस्थिति जरूरी है तो यही नियम सभी विभागों, नेताओं और अफसरों पर भी लागू होना चाहिए। उन्होंने सड़कों पर घूम रहे मवेशियों की समस्या का भी जिक्र किया। वीडियो वायरल होने के बाद बहस छिड़ गई है। कुछ इसे बेवाकी बता रहे हैं तो कुछ अनुशासनहीनता। डीईओ अशोक सिन्हा ने बताया कि तुलसी हाईस्कूल नवागढ़ में पदस्थ व्याख्याता का वीडियो सामने आया है, जिसमें अनुशासनहीनता दिख रही है। नोटिस जारी कर कार्रवाई की जा रही है।

धमतरी में मूसलाधार बारिश, गंगरेल के 3 गेट खुले, तटीय गांवों में अलर्ट

धमतरी। जिले में लगातार बारिश से सभी प्रमुख जलाशय लबालब हो गए हैं। गंगरेल बांध (रिवर्शकर सागर) के 3 गेट खोलकर 4,670 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसमें 3,360 क्यूसेक महानदी में और 1,410 क्यूसेक रुद्री बैराज से मुख्य नहर में जा रहा है।

जिले के जलाशयों की स्थिति -

- * गंगरेल: * 97.40% भरा, 3,365 क्यूसेक आवक
- * मुरुमसिल्ली: * 98.61% भरा, 362 क्यूसेक आवक
- * दुधावा: * 86.86% भरा, 437 क्यूसेक आवक
- * सोदूर: * 69.25% भरा, 167 क्यूसेक आवक

महानदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने की आशंका पर कलेक्टर ने तटीय और निचले गांवों में हाई अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने 24 घंटे निगरानी के निर्देश दिए हैं और ग्रामीणों से नदी-नाले पार न करने तथा अफवाहों से बचने की अपील की है।

नौकरी का झांसा देकर 4 साल से शोषण, आरोपी गिरफ्तार

राजनंद्यांव। छुरिया पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद सफ़दर खान (48) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पीड़िता को वन रक्षक में नौकरी लगाने का झांसा दिया और उसके पिता से 43 हजार रुपये भी ले लिए। आरोप है कि पिछले 4 साल से वह धमकी देकर पीड़िता का शोषण कर रहा था। पीड़िता की शिकायत पर थाना छुरिया में अपराध क्रमांक 163/2026 दर्ज किया गया। आरोपी को 1 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक अग्रिम में भेजा गया है। यह कारवाई एस्पी अफ़िता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कोर्टन राठी के मार्गदर्शन और एसडीओपी के.श्रीरामनंदन नायक के पथवर्धन में की गई।

राजनंद्यांव। छुरिया पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद सफ़दर खान (48) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पीड़िता को वन रक्षक में नौकरी लगाने का झांसा दिया और उसके पिता से 43 हजार रुपये भी ले लिए। आरोप है कि पिछले 4 साल से वह धमकी देकर पीड़िता का शोषण कर रहा था। पीड़िता की शिकायत पर थाना छुरिया में अपराध क्रमांक 163/2026 दर्ज किया गया। आरोपी को 1 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक अग्रिम में भेजा गया है। यह कारवाई एस्पी अफ़िता शर्मा के निर्देशन, एएसपी कोर्टन राठी के मार्गदर्शन और एसडीओपी के.श्रीरामनंदन नायक के पथवर्धन में की गई।

संस्कृत महोत्सव में संस्कृत के महत्व का दिया संदेश

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दौरी में सोमवार को संस्कृत महोत्सव का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने संस्कृत भाषा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली।

रैली के पश्चात आयोजित मनोवीर कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने संस्कृत में भाषण, श्लोक-पाठ एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों को प्रशानति किया और संस्कृत भाषा के प्रति रुचि एवं गौरव की भावना को अभिव्यक्त किया।

विद्यालय की प्रचार्या डॉ. दुलारी चन्द्राकर ने कहा कि हंससंस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है। भारतीय संस्कृति, ज्ञान और जीवन-मूल्यों की समृद्ध परंपरा संस्कृत में निहित है। वरिष्ठ व्याख्याता प्रकाश वर्मा ने संस्कृत के महत्व से जुड़ी रोचक एवं जानकारीपूर्ण साझा की। शैलेन्द्र पाटिल ने संस्कृत व्याकरण की विशेषताओं पर प्रकाश डाला, जबकि अरुणा वैष्णव ने संस्कृत दिवस की शुरुआत एवं उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी।

विशेष धूमिका रही। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ लगातार मेहनत करते हुए उन्हें आश्चर्य दिला-निर्देश दिए, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों ने मंच पर आत्मविश्वास के साथ शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों डॉ. लुमेश्वरी साहू, डॉ. मीनोशी वर्मा, डॉ. नरिन्दरा प्रसन्ना, श्री देवव्रत सकार, वेदन बंडी, लोकनाथ कुर्रे, आरती राय, भारती कुशवाहा, रामेश्वरी तिवारी, अंशिता कुर्रे, अचला विश्वकर्मा, पुरेन्द्र, भारती ठाकुर, रुमेश्वरी साहू एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। संस्कृत महोत्सव ने विद्यालय परिसर में भारतीय ज्ञान, संस्कृति और संस्कृत भाषा के प्रति गौरव एवं जागरूकता का वातावरण निर्मित किया।

न्यायालय नृहरीलदार भिलाई नगर तहसील व भिलाई इन्द्रावत

राज्यक्रमांक 4- वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व सकारण को सूचित किया जाता है कि अधिवक्ता/केलायवाता चौधरी पति विवेक चौधरी निवासी सेक्टर भिलाई द्वारा ग्राम कोकाका प.ह.नं. 45 ए.वि.मं. कोकाका तहसील व तहसील दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 75/4 रकबा 0.02 हे.भू. को रजिस्टर्ड बैकनामा के आधार पर विक्रीत बतोजी और पति बलराज सिंह से क्रय किया है कि उक्त अधिवक्ता भूमि को रजिस्टर्ड बैकनामा के आधार पर योग्यता किये जाने के संबंध में आवेदन पर मध्य बैकनामा की छात्राप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः न्याय क्षेत्र में यह हिस्सा किसी भी व्यक्ति को आप्रति या उक्त दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने माध्यम अधिकाधिक के साथ उपस्थित होकर अपना आप्रति प्रस्तुत कर सकेंगे।

निवारति तिथि के बाद प्रस्तुत आवेदन पर कोर्ट विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर व जारी किया गया है।

अतिरिक्त नृहरीलदार भिलाई नगर

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला समाज भिलाई ने मनाया तीज मिलन उत्सव

हास्य-परिहास और राजनीतिक व्यंग्य की प्रस्तुतियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला समाज भिलाई के तीज मिलन उत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और सामाजिक सरोकारों का सुंदर संगम देखने को मिला। धनोरा स्थित सेलिब्रेशन पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने नृत्य-नाटिका के माध्यम से समाज में व्याप्त कुुर्रतियों पर प्रहार किया। वहीं हास्य-परिहास और राजनीतिक व्यंग्य की प्रस्तुतियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत रायपुर नगर निगम की महापौर मोनल चौबे के मुख्य आतिथ्य, समाजसेविका दीप्ति दुबे की उपस्थिति और अचर्चा चौबे की अध्यक्षता में मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई। प्राथनी तिवारी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की।

राजनीतिक व्यंग्य पर खूब मिली तालियां

आरती तिवारी और वर्षा शुक्ला ने राजनीतिक व्यंग्य प्रस्तुत कर दर्शकों को खूब गुदगुदाया। अनुपमा, सुभमा, वसुंधरा, वंदना और मनीषा के समूह नृत्य ने खूब तालियां बटोरीं। बबली और शैल ने हास्य प्रहसन प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया।

नृत्य-नाटिका में दिखी छत्तीसगढ़ी संस्कृति अचर्चा चौबे, आरती दीवान, सरोज शर्मा, सरिता मिश्रा, अनिता चौबे, रश्मि, रजनी दुबे, सरला दुबे, ज्योति, विजया, शेफाली, शोभा, रिचा, स्वदीती एवं मंजुषा आदि ने तीज पर्व की परंपराओं और छत्तीसगढ़ी संस्कृति पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। मीना शर्मा ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। प्रीति तिवारी ने मनोरंजक खेलों का आयोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में स्वाति, वंदना एवं सुनीता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन जयंती शर्मा ने किया। उत्सव में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण महिला समाज भिलाई के तीज मिलन उत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और सामाजिक सरोकारों का सुंदर संगम देखने को मिला। धनोरा स्थित सेलिब्रेशन पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने नृत्य-नाटिका के माध्यम से समाज में व्याप्त कुुर्रतियों पर प्रहार किया। वहीं हास्य-परिहास और राजनीतिक व्यंग्य की प्रस्तुतियों ने माहौल को खुशनुमा बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत रायपुर नगर निगम की महापौर मोनल चौबे के मुख्य आतिथ्य, समाजसेविका दीप्ति दुबे की उपस्थिति और अचर्चा चौबे की अध्यक्षता में मां सरस्वती के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन से हुई। प्राथनी तिवारी ने गणेश वंदना प्रस्तुत की।

राजनीतिक व्यंग्य पर खूब मिली तालियां

आरती तिवारी और वर्षा शुक्ला ने राजनीतिक व्यंग्य प्रस्तुत कर दर्शकों को खूब गुदगुदाया। अनुपमा, सुभमा, वसुंधरा, वंदना और मनीषा के समूह नृत्य ने खूब तालियां बटोरीं। बबली और शैल ने हास्य प्रहसन प्रस्तुत कर दर्शकों का मनोरंजन किया।

नृत्य-नाटिका में दिखी छत्तीसगढ़ी संस्कृति अचर्चा चौबे, आरती दीवान, सरोज शर्मा, सरिता मिश्रा, अनिता चौबे, रश्मि, रजनी दुबे, सरला दुबे, ज्योति, विजया, शेफाली, शोभा, रिचा, स्वदीती एवं मंजुषा आदि ने तीज पर्व की परंपराओं और छत्तीसगढ़ी संस्कृति पर आधारित नृत्य-नाटिका प्रस्तुत की। मीना शर्मा ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। प्रीति तिवारी ने मनोरंजक खेलों का आयोजन कराया। आयोजन को सफल बनाने में स्वाति, वंदना एवं सुनीता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन जयंती शर्मा ने किया। उत्सव में समाज की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रायपुर पुलिस और समितियों की संयुक्त बैठक, सुरक्षा व यातायात पर दिए निर्देश

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने मंगलवार को यातायात सभागार, कार्लोबाडी में गणेश उत्सव समितियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की। बैठक में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में डीसीपी मयूरा त्रयेश्वर पटेल, पश्चिम रॉबिंसन गुरिया, नॉर्थ दीपाला करपु, ट्रैफिक अचर्चा झा और क्राइम स्प्लिक राजनला सहित सभी जनों के एडिशनल डीसीपी, एसीपी ट्रैफिक उपस्थित रहे। शहर की करीब 50 समितियों के 100 से अधिक पदाधिकारी शामिल हुए। पुलिस ने निर्देश दिया कि पंडाल सुरक्षित स्थान पर लगाए, बिजली तार व ट्रांसफार्मर से दूरी रखें, फायर एक्सटिंग्विशर और सौसीटीवी अनिवार्य रखें। बड़े पंडालों में एंटी-एग्जिट अलगा, फर्स्ट एड बॉक्स, अस्पताल, थाना, फायर ग्रिड के नंबर प्रदर्शित करने को कहा गया। समितियों को वालंटियर और महिला वालंटियर तैनात करने, भीड़ प्रबंधन, प्रसाद वितरण के लिए अलग स्थान, नशेडिंयों को प्रवेश न देने और विद्युत सुरक्षा पर ध्यान देने कहा गया। पार्किंग ऐसी हो कि मुख्य मार्ग बाधित न हो और इमरजेंसी वाहनों का रास्ता खुला रहे। विसर्जन के लिए निर्धारित रुट, समय का पालन, सुप्रीम कोर्ट के नियमानुसार डीजे, हथियार व पेटावृत्त पर प्रतिबंध और पुलिस निर्देशों के पालन की अपील की गई।

नई दृष्टिविंदु / रायपुर

गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाने के लिए रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने मंगलवार को यातायात सभागार, कार्लोबाडी में गणेश उत्सव समितियों के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की। बैठक में सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और यातायात प्रबंधन पर विशेष दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में डीसीपी मयूरा त्रयेश्वर पटेल, पश्चिम रॉबिंसन गुरिया, नॉर्थ दीपाला करपु, ट्रैफिक अचर्चा झा और क्राइम स्प्लिक राजनला सहित सभी जनों के एडिशनल डीसीपी, एसीपी ट्रैफिक उपस्थित रहे। शहर की करीब 50 समितियों के 100 से अधिक पदाधिकारी शामिल हुए। पुलिस ने निर्देश दिया कि पंडाल सुरक्षित स्थान पर लगाए, बिजली तार व ट्रांसफार्मर से दूरी रखें, फायर एक्सटिंग्विशर और सौसीटीवी अनिवार्य रखें। बड़े पंडालों में एंटी-एग्जिट अलगा, फर्स्ट एड बॉक्स, अस्पताल, थाना, फायर ग्रिड के नंबर प्रदर्शित करने को कहा गया। समितियों को वालंटियर और महिला वालंटियर तैनात करने, भीड़ प्रबंधन, प्रसाद वितरण के लिए अलग स्थान, नशेडिंयों को प्रवेश न देने और विद्युत सुरक्षा पर ध्यान देने कहा गया। पार्किंग ऐसी हो कि मुख्य मार्ग बाधित न हो और इमरजेंसी वाहनों का रास्ता खुला रहे। विसर्जन के लिए निर्धारित रुट, समय का पालन, सुप्रीम कोर्ट के नियमानुसार डीजे, हथियार व पेटावृत्त पर प्रतिबंध और पुलिस निर्देशों के पालन की अपील की गई।

निधन

न्यायालय नृहरीलदार भिलाई नगर तहसील व भिलाई इन्द्रावत

राज्यक्रमांक 4- वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व सकारण को सूचित किया जाता है कि अधिवक्ता/केलायवाता चौधरी पति विवेक चौधरी निवासी सेक्टर भिलाई द्वारा ग्राम कोकाका प.ह.नं. 45 ए.वि.मं. कोकाका तहसील व तहसील दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 75/4 रकबा 0.02 हे.भू. को रजिस्टर्ड बैकनामा के आधार पर विक्रीत बतोजी और पति बलराज सिंह से क्रय किया है कि उक्त अधिवक्ता भूमि को रजिस्टर्ड बैकनामा के आधार पर योग्यता किये जाने के संबंध में आवेदन पर मध्य बैकनामा की छात्राप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः न्याय क्षेत्र में यह हिस्सा किसी भी व्यक्ति को आप्रति या उक्त दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने माध्यम अधिकाधिक के साथ उपस्थित होकर अपना आप्रति प्रस्तुत कर सकेंगे।

निवारति तिथि के बाद प्रस्तुत आवेदन पर कोर्ट विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर व जारी किया गया है।

अतिरिक्त नृहरीलदार भिलाई नगर

न्यायालय नृहरीलदार भिलाई नगर तहसील व भिलाई इन्द्रावत

राज्यक्रमांक 4- वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्व सकारण को सूचित किया जाता है कि अधिवक्ता/केलायवाता चौधरी पति विवेक चौधरी निवासी सेक्टर भिलाई द्वारा ग्राम कोकाका प.ह.नं. 45 ए.वि.मं. कोकाका तहसील व तहसील दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 75/4 रकबा 0.02 हे.भू. को रजिस्टर्ड बैकनामा के आधार पर विक्रीत बतोजी और पति बलराज सिंह से क्रय किया है कि उक्त अधिवक्ता भूमि को रजिस्टर्ड बैकनामा के आधार पर योग्यता किये जाने के संबंध में आवेदन पर मध्य बैकनामा की छात्राप्रति इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः न्याय क्षेत्र में यह हिस्सा किसी भी व्यक्ति को आप्रति या उक्त दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 08.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने माध्यम अधिकाधिक के साथ उपस्थित होकर अपना आप्रति प्रस्तुत कर सकेंगे।

निवारति तिथि के बाद प्रस्तुत आवेदन पर कोर्ट विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 10.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर व जारी किया गया है।

अतिरिक्त नृहरीलदार भिलाई नगर



संपादकीय

प्रकृति से खिलवाड़ और जल संकट अब भी न चेतें तो त्रासदी तय है



आलोक तिवारी

प्रकृति के साथ हमारा रिश्ता मां और संतान जैसा है, लेकिन संतान ही जब मां को लहलुहान करने लगे तो परिणाम क्या होगा, इसका अनुमान लगाना कठिन नहीं। आज देश-दुनिया से जो खबरें आ रही हैं, वे इसी चिंता को गहरा करती हैं। कहीं जंगलों की अंधाधुंध कटाई, कहीं पहाड़ों का सीना चोरे गोबरकट, तो कहीं नदियों के साथ बेरहम छेड़छाड़। नेपाल में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा, हिमालय और उत्तराखंड में हर साल दोहराता भूखलन और बाढ़ का तांडव, असम और बिहार में उफानी नदियाँ, यह सबक है कि प्रकृति जब रौद्र रूप धारण करती है तो सारी तकनीक, सारा विकास बीना पड़ जाता है।

सबसे बड़ा दुर्भाग्य यह है कि हम सबसे लेना ही नहीं चाहते। हर साल बारिश में हम बाढ़ से डरते होते हैं और भीमों में सुखे से। यही हमारे जल प्रबंधन की सबसे बड़ी विफलता है। कहा जाता है – जल ही जीवन है, लेकिन हम जल को जीवन नहीं, एक मुफ्त की वस्तु मान बैठे हैं। बरसात के बार महीनों में देश में हजारों अरब लीटर पानी बरसता है, लेकिन उसे सहेजने का हमारे पास कोई ठोस राष्ट्रीय प्लान नहीं। नतीजा, 70 प्रतिशत पानी बहकर समुद्र में चला जाता है, अपने साथ उपजाऊ मिट्टी, गांव और शहरों की उममीदें भी बहा ले जाता है। दूसरी तरफ देश के कोने-कोने से भूजल स्तर के खतरनाक तर्कों से नीचे जाते की खबरें आती हैं। बुंदेलखंड, राजस्थान और अब तो छत्तीसगढ़ जैसे धान के कटोरे में भी द्युबबल फेल हो रहे हैं। यह विरोधाभास ही हमारी नीतियों की पील खोलाता है।

यह सोचना होगा कि बाढ़ और सूखा दो अलग-अलग आपदाएँ नहीं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों का मूल कारण है जंगलों का विनाश और जल संरक्षण की उपेक्षा। जंगल पानी को पकड़कर रखते हैं, उसे धीरे-धीरे छोड़ते हैं। जब जंगल ही नहीं रहेंगे तो पानी की त्रासदी कहाँ? वह सोचें दौड़ेगा और बाढ़ लाएगा। नेपाल की रूकसाई इसका ज्वलंत उदाहरण है। वहां वनों की कटाई और अनियोजित निमाण ने भूखलन को आमंत्रण दिया। भारत में भी पंथमी घाट से लेकर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के जंगल इसी लालच की भेंट चढ़ रहे हैं। हम विकास के नाम पर पेड़ काट रहे हैं, लेकिन यह कैसा विकास है जो विनाश को न्योता दे?

देश में जल बचाने की बातें तो बहुत होती हैं, नारे भी खूब लगते हैं – जल बचाओ, जीवन बचाओ, लेकिन धराल पर ठोस प्यास हुआ? तालाब, जो हमारे जल संरक्षण की सबसे पुरानी और कारगर तकनीक थे, आज अतिक्रमण और उपेक्षा के शिकार हैं। छत्तीसगढ़ में ही हजारों तालाब पाट दिए गए। शहरीकरण ने जोहड़-तलेवा को कंक्रीट में बदल दिया। वाटर हार्वेस्टिंग आज भी अधिकांश सरकारी भवनों में केवल कागजों पर है।

इस संदर्भ में दो विजन याद आते हैं। पहला, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का नदियों को जोड़ने का सपना। यह योजना आज पहले से ज़्यादा प्रासंगिक है। बेमतलब जल की देश के एक हिस्से में बाढ़ है और दूसरे में सूखा। यदि नदियों को जोड़ा जाता, तो अतिरिक्त जल को अभाव वाले क्षेत्रों में ले जाया जा सकता था। यह बाढ़ नियंत्रण और सूखा निवारण दोनों का स्थायी समाधान था। राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में यह सपना फाइलों में कैद हो गया।

दूसरा उदाहरण नीदरलैंड का है। समुद्र तल से नीचे बसा यह छोटा सा देश परंप्रतः का विषय रहा है। वहां के लोगों ने जल से लड़ाई नहीं, दोस्ती करना सीखा। उन्होंने बांध, डाइक और जल भंडारण को ऐसी तकनीक विकसित की कि बाढ़ का खतरा ही खत्म हो गया। उन्होंने जल को आपल नहीं, अवसर बना लिया। क्या भारत, जो तकनीकी आज दुनिया का नेतृत्व कर रहा है, वह यह नहीं कर सकता?

समाधान कठिन नहीं, सिर्फ नीयत चाहिए।
पहला, वनों की कटाई पर पूर्ण विराम। एक पेड़ कटे तो दस लगाने की अनिवार्यता केवल कागज पर नहीं, जमीन पर लागू हो।

दूसरा, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा। हर गांव में तालाब गहरीकरण, हर खेत में डबरी, हर घर में वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो। मनरेगा जैसी योजनाओं को इससे जोड़ा जाए।

तीसरा, नदी जोड़ें परियोजना पर गंभीरता से पुनर्विचार हो। इसके पंचविण्णीय पहलुओं को समीक्षा कर लें। जलवायु से व्यवहारकृत बनाया जाए।

और चौथा, सबसे जरूरी – प्रकृति का दोहन नहीं, संरक्षण। विकास ऐसा हो जो प्रकृति के साथ चले, उसके विरुद्ध नहीं।

अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पानी के लिए युद्ध होंगे, और तब हमारे पास पछोतों के अलावा कुछ नहीं बचेगा। प्रकृति सहनशील है, लेकिन उसकी सहनशीलता को उसकी कमजोरी समझना मानव जाति की सबसे बड़ी भूल होगी।

मदद मिली। अब मां और शिशु दोनों स्वस्थ हैं। अन्नु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार का आभार जताते हुए अन्य महिलाओं से भी योजना का लाभ लेने की अपील की।

रायपुर



मदद मिली। अब मां और शिशु दोनों स्वस्थ हैं। अन्नु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार का आभार जताते हुए अन्य महिलाओं से भी योजना का लाभ लेने की अपील की।

संपादकीय

शिक्षक दिवस : सम्मान के साथ आत्ममंथन का भी अवसर

कैलाश जैन बरमेचा

साहित्यकार



5 सितंबर का दिन आते ही पुरा देश शिक्षक दिवस के रूप में अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करता है। विद्यार्थियों और महाविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित होते हैं, शिक्षक सम्मानित होते हैं, विद्यार्थी अपने गुरुजनों के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हैं और समाज एक बार फिर यह स्वीकार करता है कि शिक्षक राष्ट्र और समाज के भविष्य का निर्माता हैं। लेकिन इस अवसर पर केवल सम्मान समारोह आयोजित कर देना ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षक दिवस हमें आत्ममंथन का भी अवसर देता है—क्या हम उस आदर्श और उदाहरण के अनुसरण आगे बढ़ रहे हैं, जिसकी भावना के साथ इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में स्थापित किया गया था ?

भारत में 5 सितंबर को महान दार्शनिक, शिक्षाविद् और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। जब उसने केन्द्रीय को विशेष रूप से मनाने की इच्छा व्यक्त की गई तो उन्होंने अपने व्यक्तिगत जन्मदिन के उत्सव के बजाय इस दिन को देश के शिक्षकों को समर्पित करने की भावना व्यक्त की। वर्ष 1962 से भारत में 5 सितंबर शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

यह निर्णय केवल एक महान व्यक्ति की विनम्रता का उदाहरण नहीं था, बल्कि इसके पीछे शिक्षक के सम्मान और शिक्षा के महत्व को समाज के केंद्र में स्थापित करने की महान सोच थी। आज, छह दशक से अधिक समय बीत जाने के बाद, हमें स्वयं से यह प्रश्न पूछना चाहिए कि क्या हम उस उद्देश्य को सही अर्थ में पुरा कर पा रहे हैं ?

गुरुकुल की परंपरा और आज का बदलता परिवेश

भारत की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था में गुरु का स्थान अत्यंत ऊंचा माना गया है। गुरुकुल केवल पढ़ाई का स्थान नहीं होता था, बल्कि जीवन निर्माण की पाठशाला होता था। वहां शिक्षा का अर्थ केवल अक्षर ज्ञान, पवीक्षा और अंक प्रसार करना नहीं था। गुरु अपने शिष्य को ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन, संयम, नैतिकता, आत्मनिर्भरता और जीवन जीने की कला भी सिखाता था।

गुरु और शिष्य के बीच केवल शिक्षक और विद्यार्थी का औपचारिक संबंध नहीं होता था, बल्कि एक आत्मीय रिश्ता होता था। गुरु अपने शिष्य के व्यक्तित्व को पहचानता था और उसे जीवन की



महेंद्र तिवारी

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि में आज केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, श्रद्धा और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र बन चुका है। फर्रू मोदिर के निर्माण के बाद अब उसके सुचारु संचालन, श्रद्धालुओं की सुविधाओं, सुरक्षा, वित्तीय पारदर्शिता और भविष्य की योजनाओं पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। ऐसे समय में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में चित्तेन्द्र मिश्र की नियुक्ति महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बिहार के एक सीमावर्ती ग्रामीण परिवेश से निकलकर इतनी बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी तक पहुंचना अपने आप में प्रेरणादायक है। यह नियुक्ति इस विचार को बल देती है कि नेतृत्व की पहचान केवल बड़े शहर, प्रभावशाली पृष्ठभूमि या संसाधनों से नहीं होती। योग्यता, अनुभव, प्रश्रम और जमीनी परिस्थितियों की समझ भी किसी व्यक्ति को महत्वपूर्ण दायित्व संचालने योग्य बनाती है। देश के दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं के लिए यह यात्रा निश्चित रूप से उत्साह और विश्वास का संदेश देती है।

बिहार और अयोध्या का संबंध भारतीय संस्कृति में

चुनौतियों के लिए तैयार करता था। शिक्षा का उद्देश्य नैतिकी प्राप्त करना भर नहीं, बल्कि एक अच्छा और उपयोगी मनुष्य बनना था। समय बदला, समाज बदला और शिक्षा व्यवस्था भी बदली। आधुनिक शिक्षा ने विज्ञान, तकनीक और ज्ञान के अनेक नए द्वार खोले हैं। यह परिवर्तन आवश्यक भी था। आज शिक्षा का विस्तार हुआ है और लाखों विद्यार्थियों तक ज्ञान पहुंचा है। लेकिन इसके साथ ही हमें यह भी देखना होगा कि कहीं शिक्षा का मूल उद्देश्य पीछे तो नहीं छूट रहा ?

आज अनेक शिक्षक पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ विद्यार्थियों का भविष्य संवार रहे हैं। ऐसे शिक्षक वास्तव में समाज के लिए प्रेरणा हैं और उनका सम्मान होना ही चाहिए। लेकिन दूसरी ओर यह भी एक कटु सत्य है कि शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिकता बढ़ती जा रही है। कहीं-कहीं विद्यार्थियों या महाविद्यालय में पढ़ाने की अपेक्षा निजी द्युशन और कोचिंग कक्षाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित होने की शिकायतें भी सामने आती हैं।

यह स्थिति गंभीर आत्मचिंतन की मांग करती है।

यदि किसी शिक्षक को अपने दायित्व के लिए पर्याप्त वेतन और सुविधाएं प्राप्त हैं, तो उसका पहला कर्तव्य अपने विद्यालय अथवा महाविद्यालय के विद्यार्थियों के प्रति होना चाहिए। शिक्षा को केवल आतिरेक आय का माध्यम बना देना शिक्षक के मूल दायित्व और उसकी गरिमा पर प्रश्न खड़े करता है। निश्चित रूप से हर शिक्षक ऐसा नहीं है और हजारों शिक्षक आज भी पूरी ईमानदारी से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं, लेकिन जहां शिक्षा व्यवसाय बनती जा रही है, वहां समाज और व्यवस्था—दोनों को आवश्यक सुधार और प्रभावी नियंत्रण पर विचार करना होगा। शिक्षक दिवस पर सम्मान के साथ-साथ यह प्रश्न भी उठना चाहिए कि क्या शिक्षक होना केवल एक नौकरी है, या यह समाज और राष्ट्र के प्रति एक जिम्मेदारी भी है ?

शिक्षक केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं

वास्तव में शिक्षक शब्द की परिभाषा बहुत व्यापक है। शिक्षक केवल वह व्यक्ति नहीं है जो विद्यालय या महाविद्यालय में किसी विषय को पढ़ाता है। शिक्षक वह हर व्यक्ति, परिस्थिति और अनुभव है, जिससे हमें कुछ सीखने को मिलता है।

हमारे माता-पिता हमारे जीवन के प्रथम शिक्षक होते हैं। वे हमें बोलना, चलना, व्यवहार करना और जीवन के प्राथमिक संस्कार सिखाते हैं। हमारे बड़े-बुजुर्ग अपने अनुभवों से हमें दिशा देते हैं। मित्र हमें जीवन के अनेक अनुभवों से परिचित कराते हैं। सहपाठी हमें सहयोग, प्रतियक्षा और सामूहिक जीवन का पाठ पढ़ाते हैं।

प्रकृति भी हमारी मर्यादा शिक्षा है। वृक्ष हमें विना किसी उपेक्षा के देना सिखाते हैं। नदी हमें निरंतरता और बढ़ते रहने की प्रेरणा देती है। दूरज हमें नियमितता और प्रकाश का संदेश देता है। धरती हमें धैर्य और सहनशीलता का पाठ पढ़ाती है।

जीवन में आने वाली कठिनाइयां भी हमारी

शिक्षक होती हैं। कई बार एक व्यक्ति ठोकर खाकर वह सीख जाता है जो उसे कोई पुस्तक नहीं सिखा सकती। असफलता हमें अपनी कमियों को पहचानना सिखाती है और सफलता तक पहुंचने के लिए नए रास्ते खोजने की प्रेरणा देती है। इसी प्रकार हमारी आलोचना करने वाला व्यक्ति भी अनजाने में हमारा शिक्षक बन सकता है। संभव है कि आलोचना करने वाले के मन में हमारे प्रति ईर्ष्या, ईर्ष्या या अन्य कोई भावना हो, लेकिन यदि हम उसकी आलोचना को शांत मन से सुनें और उसमें छिपी अपनी कमी को पहचान लें, तो वही आलोचना हमारे लिए सुधार का अवसर बन जाती है। वह हमें आगाह करती है कि शायद हम किसी दिशा में गलती कर रहे हैं। जो हमें हमारी कमियों से परिचित करा दे, वह भी किसी न किसी रूप में हमारा शिक्षक है। इसलिए हमें केवल प्रशंसा करने वालों से ही नहीं, बल्कि आलोचना करने वालों से भी सीखने की क्षमता विकसित करनी चाहिए। समझदार व्यक्ति हर परिस्थिति से शिक्षा ग्रहण करता है।

जीवन के हर क्षेत्र में हैं हमारे गुरु

हमारे जीवन में अनेक प्रकार के गुरु होते हैं। संगीत सिखाने वाला हमारा संगीत गुरु है, साहित्य और भाषा का मार्गदर्शन करने वाला हमारा साहित्य गुरु है, खेल और अनुशासन का ज्ञान देने वाला हमारा क्रीड़ा गुरु है। कला, संस्कृति, व्यवसाय, सामाजिक जीवन और दैनिक व्यवहार में मार्गदर्शन देने वाले अनेक लोग हमारे शिक्षक होते हैं।

कई बार कोई छोटी बच्चा भी हमें जीवन का बड़ा पाठ सिखा देता है। वर्षों पुरानी सोच को बदल देता है। इसलिए ज्ञान का संबंध केवल उम्र, पद, डिग्री या कुर्सी से नहीं है। जहां से ज्ञान मिले, वहां से सीख लेना ही सच्चे विद्यार्थी की पहचान है। एक व्यक्ति जीवन भर विद्यार्थी रह सकता है, यदि उसके भीतर सीखने की जिज्ञासा जीवित रहे। और शायद यही शिक्षक दिवस का सबसे सुंदर संदेश भी है कि हम केवल शिक्षकों का सम्मान न करें, बल्कि स्वयं भी जीवन भर सीखते रहने की प्रवृत्ति बनाए रखें।

सम्मान केवल मंच और माला तक सीमित न रहे

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को मंच पर बुलाकर सम्मानित करना निश्चित रूप से अच्छी परंपरा है। लेकिन सच्चा सम्मान केवल फूल, माला, शाल और स्तुति-विह देने से पुरा नहीं होता। सच्चा सम्मान तब होगा जब शिक्षक को समाज में वह गरिमा मिले, जिसके वह अधिकारी हैं। और शिक्षक भी अपने पद की उच्च गरिमा को बनाए रखने के लिए स्वयं को निरंतर समर्पित रहें। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने शिक्षा भावना के साथ अपने जन्मदिन को शिक्षकों को समर्पित करने की प्रेरणा दी थी, उसका उद्देश्य केवल एक वाक्य का आयोजन करना नहीं था। इसके पीछे शिक्षा और प्रकाश के महत्व को समाज के हृदय में स्थापित करने की सोच थी।

आज आवश्यकता है कि हम उस मूल भावना को फिर से समझें।

हमें ऐसे शिक्षक चाहिए जो केवल पाठ्यक्रम पूरा

न करें, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर चरित्र, संवेदना, नैतिकता, आत्मविश्वास और जीवन मूल्यों का भी निमाण करें। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो केवल परीक्षा में अंक न दिलाए, बल्कि जीवन की परीक्षा में भी सफल होने की शक्ति दे।

शिक्षकों की भी स्वयं से पूछना चाहिए कि वह विद्यार्थियों के लिए केवल विषय पढ़ाने वाला व्यक्ति है या उनके जीवन में प्रेरणा और मार्गदर्शन का स्रोत भी है। और विद्यार्थियों तथा समाज को भी यह समझना चाहिए कि शिक्षक का सम्मान केवल 5 सितंबर को नहीं, बल्कि हर दिन होना चाहिए।

शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश

शिक्षक दिवस केवल स्कूलों में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भाषणों और सम्मान समारोहों का दिन नहीं है। यह उस हर व्यक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है जिसने हमारे जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दिया है।

वह मां हो सकती है, पिता हो सकते हैं, कोई मित्र हो सकता है, कोई गुरु हो सकता है, कोई संगीतकार, साहित्यकार या खिलाड़ी हो सकता है। कोई बुजुर्ग हो सकता है, कोई सहकर्मी हो सकता है और कभी—कभी कोई आलोचक भी हमारा शिक्षक बन सकता है।

जीवन स्वयं सबसे बड़ा विद्यालय है और अनुभव उसका सबसे बड़ा शिक्षक। आज शिक्षक दिवस के अवसर पर हमें केवल दूसरों को सम्मानित करने से पहले स्वयं से एक प्रश्न पूछना चाहिए—

हम सीखने के लिए तैयार हैं ?

क्योंकि जिस दिन मनुष्य सीखना बंद कर देता है, उसी दिन उसके विकास की गति रुक जाती है।

आइए, इस शिक्षक दिवस पर हम केवल अपने विद्यालय के शिक्षकों की ही नहीं, बल्कि जीवन में ज्ञान, प्रेरणा, दिशा और चेतना देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान करें। साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती व्यावसायिकता पर गंभीर चिंतन करें और उस आदर्श को पुनः स्थापित करने का प्रयास करें, जिसमें शिक्षक केवल नौकरी करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का सच्चा निर्माता हो। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव बनकर न रहे जाए, बल्कि शिक्षक और विद्यार्थी—दोनों के लिए आत्ममंथन, सुधार, प्रेरणा और नई दिशा का अवसर रहे।

क्योंकि शिक्षक वह नहीं जो केवल किताब का पढ़ा—

शिक्षक वह है जो जीवन का अर्थ समझाए, अंधकार में दिशा दिखाए,

गलती पर हमें सजग करे,

गिरने पर उठाना सिखाए

और हमें एक बेहतर इंसान बनने की प्रेरणा दे।

इसलिए आइए, इस शिक्षक दिवस पर हम उन सभी ज्ञान-अज्ञान गुरुओं को सम्मान करें, जिनोंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमें जीवन जीना सिखाया है।

??

राम मंदिर न्यास में नए नेतृत्व से नई उम्मीदें



अलंत पुराना और आत्मीय है। मिथिला माता सीता की जन्मभूमि है और अयोध्या भगवान राम की जन्मभूमि। राम और सीता का संबंध भारतीय जनमानस में दोनों क्षेत्रों को एक सांस्कृतिक सूत्र में जोड़ता है। ऐसे में बिहार से जुड़े व्यक्ति का राम मंदिर न्यास के शीर्ष प्रशासनिक दायित्व तक पहुंचना इस पुराने सांस्कृतिक संबंध को एक नया आयाम देता है।

मंदिर के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती विशाल संख्या

में आने वाले श्रद्धालुओं को व्यवस्थित और सम्मानजनक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसमें व्यवस्था, स्वच्छता, पंचेजल, चिकित्सा, सुरक्षा, आवागमन और विश्राम जैसी आवश्यकताओं को निरंतर बेहतर बनाना होगा। इसके साथ ही देश और विदेश से आने वाले दान की पारदर्शी व्यवस्था भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। श्रद्धालुओं का विश्वास केवल धार्मिक भावना से नहीं, बल्कि प्रशासन की ईमानदारी और जवाबदेही से भी मजबूत होता है।

मातृ वंदना योजना बनी सहारा, अन्नू तिवारी को मिला मातृत्व में संबल



महिला कोष के 1 लाख के ऋण से हरमनिया देवी को मिली नई राह



अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की महिला सशक्तीकरण योजनाओं का असर गांवों में दिख रहा है। मैंझकला

महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ी है। हरमनिया में कहा - रऋण ने हमें अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया।



नोनी सूरक्षा योजना बनी सहारा, कौशल्या की बेटी का भविष्य हुआ सुरक्षित

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की नोनी सूरक्षा योजना बेटीयों के भविष्य को संभार रही है। अंबिकापुर के मैंझकला की कौशल्या रजवाड़े को योजना से एक लाख रुपये का बॉन्ड मिला है। कौशल्या के पति किसान हैं और तीन बच्चे हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी मिलने पर उन्होंने बड़ी बेटी के लिए आवेदन किया। एलआईसी के माध्यम से जारी यह बॉन्ड बेटी के 18 साल पूरे करने और 12वीं पास करने पर मिलेगा, जो उच्च शिक्षा में काम आएगा। यह योजना बेटीयों की शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ परिवारों में आर्थिक सुरक्षा का भरोसा जगा रही है।

भास्त-बांग्लादेश सीरीज के लिए नई तारीख तलाश रहे बीसीसीआई-बीसीबी

अग्रस्त-सितंबर के 3 वनडे और 3 टी-20 फिलहाल टले



नईदिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष तिमिम इब्नमाल ने रविवार को कहा कि भास्त के खिलाफ टली हुई सीरीज के लिए नई तारीख तलाशने पर बातचीत चल रही है। भास्त को अग्रस्त-सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने थे, लेकिन सीरीज फिलहाल टले दी गई है।

तिमिम ने यूट्यूब चैनल 'जोट आउट नोमान' से कहा, भास्त सीरीज नहीं होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है।

दोनों बोर्ड सीरीज कबने के लिए बातचीत में जुटे

तिमिम ने कहा, मैं आपको एक छोटी जानकारी देना चाहता हूं। दोनों बोर्ड इस सीरीज को करने को लेकर बहुत गंभीर हैं। बीसीसीआई और बीसीबी दोनों नई तारीख तलाश रहे हैं कि इसे कब कराय जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, हम लगातार एक तारीख को लेकर भी सोच रहे हैं कि क्या उस समय सीरीज हो सकती है या नहीं। अगर मुझे लगता कि मंशा नकारात्मक है, तो आज मैं आपसे यह नहीं कहता कि देखते हैं क्या होता है, हमें उम्मीद है। उन्होंने कहा, मंशा अच्छी है और हम लगातार बातचीत कर रहे हैं। तारीखों पर भी काम किया जा रहा है, क्योंकि बांग्लादेश भी व्यस्त है और भास्त भी व्यस्त है।

सीरीज 2024 में होनी थी-यह पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में संस्कार विरोधी आंदोलन हुआ और संस्कार बंदी। फिर टी-20 वर्ल्ड कप से पहले बीसीसीआई और बीसीबी के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टले दिया गया था। सुझा बड़ा इश्यू- तमिम इब्नमाल ने बांग्लादेश की विदेशी राज्य मंत्री शामा ओबेद इस्लाम से मुलाक़ात की। उन्होंने संस्कार से कहा कि बास्त संस्कार से बात करो। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरने पर सीरीज संभव- भास्त ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक हमान को भास्त में होने वाले बिस्व सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेशी मंत्रियों की बातचीत भी हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार दोनों देशों के राजनीतिक संबंध सुधरे हैं, तो मैच का रस्ता साफ हो जाएगा।

मुस्ताफिज़ुर रहमन पर रशिया में तनाव

बाईपीएल 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने बीसीसीआई के कहने पर बांग्लादेश के ऑलराउंडर मुस्ताफिज़ुर रहमन को टीम से हटा दिया था। इसके बाद अमीनूल इस्लाम की अगुआई में बीसीबी ने 20 वर्ल्ड कप में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला किया था। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भास्त ने श्रीलंका के साथ मिलकर की थी।

यूएस ओपन-24 ग्रैंड स्लैम चैंपियन

जोकोविच पहले राउंड में बाहर

मैच में उल्टे हुई, दवाली, 49वीं रैंकिंग प्लेयर मासिनो ने 4.36 घंटे में हराया

यूएस (एजेंसी)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के पहले ही राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें अर्जेंटीना के वर्ल्ड नंबर-49 मासिनो ने पांच सेट के मुकबले में 7-6, 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से हराया।

इसके साथ ही जोकोविच का रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद जोकोविच भावुक हो गए और अपने आंसू नहीं रोक सके। यह मुकाबला 4 घंटे 36 मिनट तक चला, जो ग्रैंड स्लैम में जोकोविच के करियर का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड मैच था। 39 साल के जोकोविच ने शुरूआती तीन सेट में से दो जीते, लेकिन 25 साल के नवोने ने आखिरी दो सेट में शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

पहली बार पहले राउंड में हारे

जोकोविच के लिए यह यूएस ओपन के इतिहास में पहली बार है, जब वे टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में बाहर हुए हैं। इससे पहले वे कभी भी पहले राउंड में नहीं हारे थे। जोकोविच 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहली बार हैं, जब वे किसी ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में बाहर हुए हैं।

मैच के दौरान तबीयत बिगड़ी

जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए लगातार दो सेट जीतकर बहुत बना ली थी। हालांकि, मुकाबले के अंतिम चरण में उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। मैच के दौरान उन्हें उल्टी करते देखा गया। उन्होंने इन्हें हारकर इस्तेमाल किया और दवा भी ली। इसके अलावा, वे बार-बार पट्टी चिपकते नजर आए। साथ ही पीठ और पैरों पर पेशानी से जूझते दिखे।

मारिया को नावोने अर्जेंटीना के एक पेशेवर टेनिस



खिलाड़ी है। उनका जन्म 27 फरवरी 2001 को हुआ था। नावोने ने तीन साल की उम्र में टेनिस खेलना शुरू किया।

2024 फ्रेंच ओपन में नावोने को 31वीं वरियता दी गई थी, उसी से उन्होंने ग्रैंड स्लैम डेब्यू किया।

मेदवेदेव यूएस ओपन के दूसरे राउंड में पहुंचे

डैनियल मेदवेदेव ने यू ओपन के पहले दौर में ह्यूगो गैस्टन को 6-4, 6-2, 6-4 से हराया। यह मुकाबला 2

घंटा 14 मिनट चला। इस जीत के साथ मेदवेदेव ने करियर में आठवीं बार टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। दूसरे दौर में मेदवेदेव का सामना अमेरिकी काबलडू कार्ड सेबेस्टियन गार्जेनी और उपकल कोलिनसन के बीच होने वाले मुकबले के विजेता से होगा।

एशिया कप में दीप्ति शर्मा ने स्वा इतिहास

महिला टी20 क्रिकेट में टॉप विकेटेकर बनीं • भास्त ने थाईलैंड को 94 रन से हराया



नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम ने एशिया कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में थाईलैंड को 94 रन से हराया। भारत के लिए इस मैच में शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा और नदिनी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया। भास्त ने विमसें टे-20 एशिया कप में जीत से शुरुआत की है। टीम ने रविवार को थाईलैंड को 94 रन से हराया। दुर्ग इंडोनेशियन स्टेडियम में थाईलैंड 160 रन चेज करते हुए 16.1 ओवर में 65 रन

पर ऑलआउट हो गईं। 150वां मैच खेल रही दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके और कोई रन नहीं दिया। वे विमसें टे-20 इंडोनेशियन की टॉप विकेट टेकर भी बन गईं। नदिनी शर्मा ने भी 3 विकेट लिए। श्री चर्गी ने 2 विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच शेफाली वर्मा ने 36 बॉल पर 64 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 3 छके शामिल रहे। भारतीय टीम का दूसरा मैच 5 सितंबर को पाकिस्तान से इसी मैदान पर रहेगा।

भास्त ने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवाए

रविवार को टीम इंडिया मजबूत शुरुआत के बावजूद 159 रन ही बना सकी थी। उसने आखिरी 46 रन बनाने में 8 विकेट गंवा दिए। इससे पहले टीम की टॉप-3 बेटर्स ने 105 रन बनाए। इनमें स्मृति मंधाना के 22, शेफाली वर्मा के 64 और प्रतिष्ठा वल्ल के 22 रन शामिल हैं। थाईलैंड की ओर से सुलेपॉनी लाओमी ने 3 विकेट झटके।

दोनों टीमों की प्लेडिंग-इलेवन

भारत- स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, प्रतिक रवेल, हरमनप्रीत कौर, भारती फुलमाली, श्रेया घोष, दीप्ति शर्मा, प्रेमा रवत, श्री चर्गी, क्रांति गौड और नदिनी शर्मा।

थाईलैंड- अपिसरा सुवानचोनयट्टी, फनिता माया, नत्तापत कोनचारोपेणकाई (विकेट कीपर), नत्थाकन चन्यम, चनिदा सुथिरिंग आंग, नाओमी हैमिल्टन, सुलेपॉनी लाओमी, नत्तापत चाहान, सुनीदा चतुर्वर्गुत्तना, ओननिचा कमचोम्पू और थियापा पुथावोंग (कप्तान)।



अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेकगणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलंपिक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आक्सा पाल के साथ युगल में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरे विजेता बन गए। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के

खिलाड़ी अंकुर ने एकल फइनल में स्लोवेनिया के तीसरे वरियता प्राप्त खिलाड़ी डेनो वेजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आक्सा के साथ मिलकर पुरुष युगल फइनल में हारे के साथ एंड्रस सैडैसी और पोलैंड के एलन कुर्लाकुस्की जल्लेक्सी को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-

9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि वे जल्लेक्सी ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आक्सा ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैडैसी और जल्लेक्सी ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्वरु खबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी छ्त्र के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बहुत हासिल की और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के फाइनल फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में इंडट जोन टीम के लिए खेले रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाया का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह अत्यंत ही हासिल की।



कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में इंडट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्के और एक चौकी भी मरद से 42 गैटों में अर्धशतक पुर किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी होते।

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थे और 57 साल से यह रिकॉर्ड कयम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे ध्वस्त कर दिया। इस लिस्ट में जानें किने के क्रिकेटर पीपुष चावला नाम भी है जिन्होंने जिनहोंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

- वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
- लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
- पीपुष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुंकेरा कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का इस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुंकेरा (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनन कुर्शी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज करने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने इंडट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कप्तान अपने हाथों में ली।

पैस टेबल टेनिस भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त



फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैर टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आइटीटीएफ वर्ल्ड पैर थ्रू चार लाइव टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भास्त ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैर टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आइटीटीएफ वर्ल्ड पैर थ्रू चार लाइव टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए।

भारत का शानदार अभियान- फिनलैंड में भारतीय पैर टेबल टेनिस खिलाड़ियों का अभियान शानदार रहा। एकल और युगल दोनों वर्गों में पदक जीतकर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। कुल 16 पदकों के साथ भारतीय दल ने प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन किया।

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी समायोक्त के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के डिमो कल्लवर्दे और रीनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

फुटबॉल प्रीमियर लीग: चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रेंमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रेंमोयो लाविन, पेड्रो नेते और जोसे ओवेरो के गोलों ने चेल्सी को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुरुआफर पल्लावर और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

पलक की पहली फिल्म अवट्टबर में होगी रिलीज

मशहूर टीवी एक्ट्रेस खेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी अपनी खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। वह ऐसी सेलेब्रिटी हैं जिन्होंने डेयू के पहले ही लोगों के दिलों को जीत लिया है। वहीं अब खबर है कि उनकी पहली फिल्म 'रोजी-द सेफरन चैटर' अवट्टबर में रिलीज होगी। भूतिया दुनिया सेटिंग टीजर के साथ दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के बाद, 'रोजी-द सेफर चैटर' के निर्माताओं ने



टीजर में दिखी कहानी की झलक

रिलीज किए गए टीजर ने पहले ही दर्शकों को कहानी में एक झलक दी है और उनसे मिली प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली थी। हम यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि दर्शक फिल्म पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

अरबाज और तनीषा भी हैं साथ

फिल्म पुणे, लखनऊ और अन्य शहरों सहित भारत के विभिन्न स्थानों पर फिल्माई गई एक डरावनी प्रेम कहानी है। फिल्म में अरबाज खान, तनीषा मुखर्जी भी हैं और फिल्म का निर्देशन विशाल रंजन मिश्रा ने किया है।

अब इस हैलोवीन फिल्म के साथ प्रशंसकों को डराने का फैसला किया है, हाँ आपने सही सुना। अभिनेता अरबाज खान, पलक तिवारी और शिवन नारा अभिनीत यह वास्तविक जीवन आधारित हॉरर फिल्म अवट्टबर महीने में पूरे भारत में रिलीज होगी।

फिल्म का निर्देशन विशाल रंजन मिश्रा ने किया है। फिल्म की रिलीज के बारे में बोलते हुए, निर्माता प्रेरणा वी अरोड़ा ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रोजी इस अवट्टबर में रिलीज होगी। फिल्म एक वास्तविक जीवन की घटना पर आधारित है जो नोएडा में हुई थी और इस फिल्म में हमारा मुख्य फोकस 'अकाल मृत्यु' और परिवार, दोस्तों पर उनके प्रभाव के बारे में है। पहले ही जारी किए गए टीजर ने दर्शकों को कहानी की एक झलक दिखा दी थी और उन्हें जो प्रतिक्रिया मिली थी,

वह दिल दहला देने वाली थी। हम यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि दर्शक फिल्म पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। यह अपनी तरह की एक डरावनी प्रेम कहानी है जिसे पुणे, लखनऊ और अन्य शहरों सहित भारत के विभिन्न स्थानों पर फिल्माया गया है।

इस फिल्म से टीवी एक्ट्रेस खेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी भी बॉलीवुड में डेयू करेंगी। फिल्म में तनीषा मुखर्जी भी अहम भूमिका में हैं। प्रतीक्षित फिल्म का संगीत टिप्स पर है।

रोजी-द सेफर चैटर को के सेस लिमिटेड द्वारा पूरे भारत में रिलीज किया जाएगा, जिन्होंने पहले नो एंटी, सरकार, पार्टनर आदि जैसी फिल्मों के साथ काम किया था। यह फिल्म भी प्रेरणा वी अरोड़ा और मॉनिंगन मंजुनाथन द्वारा प्रस्तुत की गई है और मॉरिदा एंटरटेनमेंट और वे फिल्म्स द्वारा निर्मित है।

सुशांत सिंह राजपूत का पुराना वीडियो हुआ वायरल

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वो खत पर क्रिकेट खेलते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में सुशांत जमशेदपुर में एक हॉटल की छत पर क्रिकेट खेलते नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन को एक साल से ज्यादा हो गया है। अब भी उनके फैस उनको भूल नहीं पाये हैं। सोशल मीडिया पर आज भी सुशांत के लिए लोगों की दीवानी देखते ही बनती है। अक्सर सुशांत सिंह राजपूत के पुराने वीडियो और तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल होती रहती हैं। वीडियो के कैप्शन में लिखा है कि अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत हर सुबह क्रिकेट खेलते थे। वीडियो में सुशांत क्रिकेट खेलते हुए और रन के लिए भागते हुए दिखा रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उनकी मौत के रहस्य से पर्दा उठाने की मांग की गई है। सुशांत अच्छे अभिनेता की ही तरह अच्छे खिलाड़ी भी थे। उनको म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट बजाने, खेलने और खोलाना विज्ञान में काफी रुचि थी। सुशांत सिंह राजपूत ने फिल्मों में बेहतरीन दमदार अभिनय किया। वो अपने क्रिदार् में डूब जाया करते थे। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक 'एमएस धोनी' फिल्म में उनके अभिनय को जमकर सराहा गया था। 14 जून 2020 को सुशांत का निधन हो गया था। उन्होंने सुसाइट किया था। हालांकि, उनके फैस अभी भी उनके मौत के रहस्य से पर्दा उठाने की मांग करते रहते हैं।



खेलते थे। वीडियो में सुशांत क्रिकेट खेलते हुए और रन के लिए भागते हुए दिखा रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए उनकी मौत के रहस्य से पर्दा उठाने की मांग की गई है। सुशांत अच्छे अभिनेता की ही तरह अच्छे खिलाड़ी भी थे। उनको म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट बजाने, खेलने और खोलाना विज्ञान में काफी रुचि थी। सुशांत सिंह राजपूत ने फिल्मों में बेहतरीन दमदार अभिनय किया। वो अपने क्रिदार् में डूब जाया करते थे। क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी की बायोपिक 'एमएस धोनी' फिल्म में उनके अभिनय को जमकर सराहा गया था। 14 जून 2020 को सुशांत का निधन हो गया था। उन्होंने सुसाइट किया था। हालांकि, उनके फैस अभी भी उनके मौत के रहस्य से पर्दा उठाने की मांग करते रहते हैं।

कश्मीर में सारा अली खान

बॉलीवुड में वैसे तो बहुत से स्टार किड्स फिल्मों में आ चुके हैं लेकिन सारा अली खान का नाम उन लोगों में शामिल है जो दर्शकों के बीच हमेशा चर्चा में रहती हैं। सारा बॉलीवुड की सबसे चर्चित स्टार किड्स में से एक हैं जो किसी ना किसी बात को लेकर सुर्खियां बटोरती हैं। वो सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और उनकी तस्वीरें फैस को काफी पसंद आती हैं। सारा अली खान इन दिनों कश्मीर की वादियों में दोस्तों के साथ ट्रिप पर हैं। उन्होंने कुछ समय पहले कश्मीर की घाटी पर मौजूद शेनगन झील से लाजवाब तस्वीरें साझा की थीं। अब हाल ही में उन्होंने एक बेहद ही जानदार तस्वीरें साझा की हैं जो सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रही हैं। सारा ने इन तस्वीरों के साथ धार्मिक संदेश दिया है जो फैस को काफी पसंद आ रहा है।



सिद्धार्थ को याद कर इमोशनल हुई दिव्या



बिग बॉस ओटीडी में हिस्सा लेने वालों को सिद्धार्थ शुक्ला के निधन का पता घर के अंदर नहीं चल सका था। वे जैसे-जैसे बाहर आए तो उन्हें पता चला। ऐसा ही कुछ हुआ बिग बॉस ओटीडी विनर दिव्या अग्रवाल के साथ। दिव्या जब घर के अंदर थीं तो उन्होंने कई बार सिद्धार्थ का नाम लिया था। उन्हें उम्मीद थी कि सिद्धार्थ

उनके गेम की तरीफ करेगे लेकिन फिनाले के पहले जब उनके सामने सच्चाई आई तो वह शॉकड रह गई। दिव्या ने अपने इंस्टाग्राम पर सिद्धार्थ शुक्ला को श्रद्धांजलि दी है। दिव्या ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, किसी ने सही कहा है, जिन्हें हम प्यार करते और खां देते हैं वे हमेशा अनंत तक दिल के तारों से जुड़े रहते हैं। मुझे सिद्धार्थ शुक्ला की दिल तोड़ने वाली

खबर का पता फिनाले के ठीक पहले चला। यह शॉकिंग और मुन कर देने वाला था। उनकी प्रोफेशनल जर्नी ने मुझे और कई लोगों को सिखाया और प्रेरणा दी। जिन्हें हम प्यार करते हैं, वे कभी नहीं जाते, वह हमेशा हमारे यादों और बातों में रहते हैं। दिव्या ने

पॉर्न केस मामला

गहना को मिली राहत



अश्लील फिल्में बनाने और उन्हें पॉर्न साइट पर अपलोड करने के आरोप में फंसी एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ के लिए राहत की खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने एक्ट्रेस की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि गहना के खिलाफ दर्ज की गई तस्वीरें एफआईआर के आधार पर उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने गहना को गिरफ्तारी से राहत देते हुए ये भी साफ किया है कि जब भी जांच में उनकी जरूरत पड़ेगी तो गहना को क्राइम ब्रांच की पूरी मदद करनी होगी। बता दें, पॉर्न केस में नाम सामने आने के बाद गहना वशिष्ठ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर पॉर्न सेटिंग जमानत की मांग की थी। इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने गहना की अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया था। गहना वशिष्ठ के वकील ने कहा कि जांच एजेंसी का कहना है कि वह गहना को इमर्जेंट हिरासत में लेना चाहते हैं क्योंकि वह पॉर्नोग्राफी ऐक्ट का भांडाफोड़ करना चाहते हैं और जानना चाहते हैं कि किस ओटीडी सैलैब्रिटी को ये फिल्में बेची गईं। केवल इन दो चीजों के लिए गहना से पूछताछ की जानी है। बता दें कि गहना वशिष्ठ को क्राइम ब्रांच ने एक वेबसाइट पर अश्लील वीडियो अपलोड करने और शूटिंग में भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था। मालवानी पुलिस स्टेशन में दर्ज केस को मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया था। दूसरी बार एफआईआर में गिरफ्तारी के डर से गहना ने अग्रिम जमानत की गुहार लगाई थी, लेकिन सत्र न्यायालय के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी उनकी अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद उनके वकील का कहना था कि वो सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक पॉर्न फिल्म मामले में फंसी अभिनेत्री गहना वशिष्ठ को सुप्रीम कोर्ट की तरफ से एक राहत की सांस मिली है। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने गहना वशिष्ठ की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अभिनेत्री गहना वशिष्ठ को भी कोर्ट ने जरूरत पड़ने पर जांच में शामिल होने के आदेश दिए हैं।

फरवरी में किया गया था गिरफ्तार

राज कुंद्रा से पहले अश्लील फिल्में बनाने के मामले में गहना वशिष्ठ को फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। गहना ने उनके खिलाफ दर्ज हुई दूसरी एफआईआर में गिरफ्तारी के डर से अग्रिम जमानत की गुहार लगाई थी। लेकिन सत्र न्यायालय के बाद बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी उनकी अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद उनके वकील का कहना था कि वो सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे।

70 से अधिक विज्ञापनों में किया काम

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गहना अभी तक 70 से अधिक विज्ञापनों कर चुकी हैं और पिछले पांच सालों में वे साइज की 30 से ज्यादा फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं गहना वशिष्ठ की मिमिती बॉल एक्ट्रेस में होती है। गहना का इंस्टाग्राम देखें तो यहां उन्होंने अपने फैस के लिए काफी कंटेन्ट शेयर किया हुआ है। राज कुंद्रा का मामला सामने आने के बाद गहना भी लगातार चर्चा में बनी हुई है।

जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। जिसके बाद उनके वकील का कहना था कि वो सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे।

कृष्णा श्रॉफ की हॉटनेस ने मचाया बवाल

बॉलीवुड एक्टर जैकी श्रॉफ की बेटी और टाइगर श्रॉफ की बहन कृष्णा श्रॉफ 'चाहे फिल्मों इंडस्ट्री से दूर हैं लेकिन वह अक्सर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। जैकी श्रॉफ की लाइजी कभी पर्सनल लाइफ को कभी अपनी तस्वीरों की वजह से चर्चा में रहती हैं। कृष्णा श्रॉफ की सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। पिछले कुछ समय से लगातार अलग-अलग मंगाना के लिए फोटोशूट करवा रही कृष्णा श्रॉफ ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की धमाकेदार तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। कृष्णा इन तस्वीरों में ब्लैक पैटर्स और स्पॉट्स ब्रा में बोलड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। टाइगर की बहन कैमरे के सामने काबिलाना अंदाज में अपनी टोपड बॉडी फ्लॉन्ट कर रही हैं। बताया जाता है कि कृष्णा को अपने भाई टाइगर की तरह एक्टर नहीं बनना बल्कि वह बतौर और फिल्म निर्देशक अपना करियर बनाना चाहती हैं। कृष्णा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैस के साथ अपनी हॉट और सेक्सी फोटो शेयर करती रहती हैं।



इंडस्ट्री में हो रही कियारा और सिद्धार्थ की शादी की चर्चा

कहते हैं जोड़ियां ऊपर वाला बनाता है और जब धरती पर वो जोड़ी साफ नजर आती है तो अपने दिल बस देखते ही रह जाते हैं। बॉलीवुड में कुछ ऐसी ही जोड़ियां हैं जिन्हें देखकर लगता है कि इन्हें बस एक दूसरे के लिए ही बनाया है। हालांकि बहुत से सितारे ऐसे हैं जो खुलकर तो अपने प्यार का इजहार नहीं करते हैं लेकिन उनके प्यार की चर्चा दूर दूर तक होती है। ऐसी ही एक जोड़ी है सिद्धार्थ वल्लभ और कियारा आडवाणी जो निनके अफेयर के किस्से हमेशा चर्चा में आ जाते हैं। हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिलेशनशिप की आधिकारिक घोषणा नहीं की है लेकिन दोनों को अक्सर साथ में वक्त बिताते देखा गया है। वहीं अब ये भी खबर सामने आ रही है कि जल्द ही दोनों शादी करने वाले हैं। अब हाल ही में



सिद्धार्थ से ये सवाल कर दिया गया कि वो कब शादी कर रहे हैं जिस पर दिया उनका जवाब कुछ सुविधा बंदर रहा है। एक वेब पोर्टल को दिए इंटरव्यू में सिद्धार्थ से पूछा गया कि वो कब शादी करने वाले हैं जिस पर उन्होंने कहा कि वो ज्योतिष नहीं हैं इसलिए उन्हें नहीं पता। उन्होंने कहा कि इसकी कोई टाइमलाइन नहीं है लेकिन ये जब भी होगा सही होगा। एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ से ये पूछा गया कि उन्हें कियारा की कौन सी बात अच्छी लगती है और किस बात को वो बदलना चाहेंगे? इस पर जवाब देते हुए सिद्धार्थ ने कहा कि कियारा की सबसे अच्छी बात है कि कैमरा ऑफ होते ही वो एक सामान्य इंसान की तरह व्यवहार करती हैं। ये नहीं कि वो अभिनेत्री हैं तो हमेशा उसी तरह से रहें, वो ऑफ कैमरा बेहद ही शांतिना से रहती हैं जो उन्हें बहुत अच्छा लगता है। वहीं कियारा के किसी गुण को बदलने की बात पर सिद्धार्थ ने कहा कि, ये कहना गलत है कि उनमें कुछ बदलना चाहिए।

वो एक बेहतरीन अदाकारा हैं जिन्हें किसी बदलाव की जरूरत नहीं है। बता दें कि इससे पहले कपिल शर्मा ने हंसते हुए कहा था कि ये सिद्धार्थ वाली लड़की है। कियारा और सिद्धार्थ ने कदा कियारा को पहले ही पब्लिक ना किया हो लेकिन दोनों के बीच केमेस्ट्री साफ नजर आती है। हाल ही में दोनों शेरशाह फिल्म में साथ नजर आए थे और फिल्म में उनकी एक्टिंग और जोड़ी को खूब पसंद किया गया था। अब फैस इस इंतजार में हैं कि पंद के साथ साथ असल जिंदगी में भी कियारा और सिद्धार्थ साथ नजर आएंगे और उनकी शादी की खुरखुरी सुनाई दे।

पॉर्न केस में नाम सामने आने के बाद गहना वशिष्ठ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर पॉर्न सेटिंग जमानत की मांग की थी। इससे पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने गहना की अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया था।

आपके बाल चुकाते हैं हेयर वॉश से जुड़ी इन गलतियों की कीमत



आज के समय में हर व्यक्ति को बालों से जुड़ी किसी न किसी समस्या का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे बात हेयर फॉल की, बालों के सफेद होने की समस्या या फिर रूसी की। अमूमन लोग इसके लिए भागदौड़ भरी जिन्दगी, तनाव व गलत खान-पान को ही जिम्मेदार ठहराते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपका गलत तरीके से बालों को धोना भी उसे प्रभावित कर सकता है। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि आप बालों को सही तरह से धोएं। तो चलिए जानते हैं बालों को धोते समय होने वाली गलतियों के बारे में-

जरूरी है ऑयलिंग

अमूमन लोग शैंपू करने को ही हेयर वॉश करने का पहला स्टेप मानते हैं, जबकि यह बेहद आवश्यक है कि आप शैंपू करने से दो-तीन घंटे पहले ऑयलिंग अवश्य करें। कभी-कभी हेयर वॉश के दौरान शैंपू के कारण आपके बालों का प्राकृतिक तेल भी निकल जाता है, जिससे आपके बाल रूखे-रूखे नजर आते हैं, लेकिन अगर आप ऑयलिंग करते हैं तो यह आपके बालों के तेल को मॉटेन रखेगा। साथ ही ऑयलिंग से आपके बालों को पोषण व मजबूती मिलती है। जिसके कारण आपको बालों के झड़ने, रूसी व उनके असमय सफेद होने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।

बालों को करें ब्रश

हेयर वॉश से पहले बालों को ब्रश करना भी काफी जरूरी होता है। इसके लिए आप चौड़े दांतों वाली कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपके सिर में ब्लड सर्कुलेशन तो बेहतर होता है ही, साथ ही आपके सिर के पोर्स भी ओपनअप हो जाते हैं, जिसके कारण शैंपू के दौरान सारी गंदगी आसानी से

निकल जाती है।

इस तरह करें शैंपू

बालों को शैंपू करते समय कभी भी उसे जोर-जोर से न रगड़ें। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटने लगते हैं। आप बालों को वॉश करने के लिए हमेशा अपनी उंगलियों के अग्र भाग का इस्तेमाल करें। साथ ही जब भी शैंपू करें तो उसे सीधे ही बालों पर अप्लाई न करें। बेहतर होगा कि आप पानी में शैंपू डालकर उस पानी से बालों को वॉश करें। इससे शैंपू के केमिकल माइलड हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त शैंपू का चयन भी सही तरह से करें। आजकल मार्केट में कई तरह के शैंपू अवैलेबल हैं। आप अपने बालों की प्रकृति के हिसाब से ही शैंपू का चुनाव करें और उसे इस्तेमाल करें।

कंडीशनर भी है जरूरी

बालों को वॉश करना सिर्फ शैंपू करने तक ही सीमित नहीं है। बालों की कंडीशनिंग भी उतनी ही अहम है। इससे आपके बालों को एक स्मूद लुक मिलता है। लेकिन बालों की कंडीशनिंग करते समय हमेशा यद खें कि आप इसे अपनी स्कैल्प पर इस्तेमाल न करें। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और आपके बाल तेजी से टूटने लगते हैं। साथ ही कंडीशनर का इस्तेमाल करने के बाद उसे 3-

4 से मिनट तक अवश्य रखें और फिर हेयर वॉश करें। हेयर वॉश भी बेहतर तरीके से करें ताकि उसमें कंडीशनर न रह जाए।

ठंडे पानी का इस्तेमाल

जब आप हेड वॉश करें तो अंत में हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। ठंडे पानी के कारण आपके पोर्स बंद हो जाते हैं और फिर बाहर की गंदगी उसमें नहीं आती। जहां हेड वॉश की शुरूआत में हल्के गर्म पानी का इस्तेमाल किया जाता है ताकि पोर्स ओपन हो जाए और सारी गंदगी अच्छी तरह निकल जाए। वहीं अंत में हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करना चाहिए।

ऐसे सुखाएं बाल

कुछ लोग इस स्टेप को जरूरी नहीं समझते। जबकि वास्तव में यह भी उतना ही जरूरी होता है। हेड वॉश के बाद कभी भी बालों को सुखाने के लिए हेयर ड्रायर का प्रयोग न करें। इस दौरान आपके बाल काफी कमजोर होते हैं और हेयर ड्रायर आपके बालों को रूखा बना सकता है। बेहतर होगा कि आप हमेशा यद खें कि आप इसे अपनी स्कैल्प पर इस्तेमाल न करें। इससे बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं और आपके बाल तेजी से टूटने लगते हैं। साथ ही कंडीशनर का इस्तेमाल करने के बाद उसे 3-



रात की बची सब्जी से बनाएं स्वादिष्ट



भारतीय घरों में खाना बिना सब्जी के पुरा नहीं होता लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है कि रात में बनाई हुई सब्जी पूरी खत्म हो जाये। ऐसे में समस्या यह उत्पन्न होती है कि उस बची हुई सब्जी को कोई भी खाने के लिए तैयार नहीं होता और उसे फेंक कर खराब नहीं किया जा सकता। अब इस परेशानी से निपटने का एक सबसे अच्छा तरीका यह होता है कि उसे नए अंदाज में पेश किया जाए। शायद आपको पता न हो कि सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं, बल्कि उसका प्रेजेंटेशन भी लोगों को आकर्षित करता है। तो आइए जानते हैं रात की बची हुई सब्जियों को नए तरीके से पेश करने की कुछ अद्भुत रेसिपी के बारे में-

पराटे की पेशकश : अगर आपने रात में सूखी सब्जी बनाई थी तो उसे आप सुबह के समय बत्तौर पराटे की स्टाफिंग बनावर तैयार कर सकती हैं और नाश्ते की तैयारी कर सकती हैं। अगर आपके घर में नाश्ते में पराटे नहीं खाते तो उसी सब्जी को ब्रेड के बीच में भरकर वेजीटेबल सैंडविच बनाना भी एक अच्छा आईडिया हो सकता है। सैंडविच में आप चाहे तो चीज का इस्तेमाल भी करें। इस तरह आप पराटे या बत्तौर सैंडविच आलू, बीन्स, गोभी, मटर, गाजर व पत्ता की भुजी से एक बेहद स्वादिष्ट नाश्ता तैयार कर सकती हैं। वहीं अगर आपकी सब्जी सूखी हुई नहीं है तो भी आप सब्जियों के पानी को सुखाकर एक ड्राई स्टाफिंग तैयार कर सकती हैं। साथ ही सब्जियों के फ्लेवर को बढ़ाने के लिए आप बारीक कटे प्याज, हरी मिर्च, हरा धनिया आदि का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

कटलेट : रात की बची हुई सब्जी से कटलेट बनाने के लिए आपको सबसे पहले सब्जी करी या ग्रेवी को ड्राई करना होगा। ग्रेवी को ड्राई करने के लिए आप उसमें चीज और ब्रेड क्रम्स मिला दें। इससे आपके कटलेट और भी अधिक क्रिसपी व स्वादिष्ट बनेंगे। अब सब्जी, चीज और ब्रेड क्रम्स को अच्छे से मिक्स करें व उनसे कुछ छोटी-छोटी बाल्स तैयार कर लें। अब उसे अपना मनपसंद आकार दें। अब एक पैन में ऑयल गर्म करें व कटलेट को फ्राई करें। आपके गर्मागर्म कटलेट तैयार हैं। इसे कैचअप के साथ सर्व करें।

सूप : आपकी सब्जी चाहे जो भी हो, उसे सूप के रूप में पेश करने आप सबका दिल खुश कर सकती हैं। इसके लिए आपको सबसे पहले लहसुन को कुछ हल्का सा भूनना है। फिर बची हुई सब्जी से वेजीटेबल स्टॉक बना लें। अब इस स्टॉक को अपने पैन में डालकर उबाल आते दें। आप बाद में थपने स्वादानुसार इसमें नमक, काली मिर्च व हरा धनिया आदि भी मिक्स कर सकती हैं।

रोल्स व रैप्स : अगर आपको सुबह के समय जल्दी है तो बेहतर होगा कि आप अपनी रात की बची हुई सब्जी से रैप्स बना लें। यह आपकी बॉरिंग सी रोटी को तो मजेदार बनाएगा ही, साथ ही जल्दी का काम करता है। दरअसल, इसमें प्राकृतिक जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं और वहीं गुण शरीर में बैक्टीरिया को पचाने से रोकते हैं। इतना ही नहीं, अगर आप टमाटर के रस का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर का तापमान कम होता है और आपको पर्सिना भी काफी कम मात्रा में आता है। आप इसे सलाद के रूप में खाने या फिर जूस पीने के अतिरिक्त बॉडी पर लगा भी सकते हैं। इसके लिए आप नहाने से करीबन आधा घंटा पहले इसका पल्प या रस अपने शरीर पर लगा लें और कुछ देर लगाने के बाद नहा लें। इससे आपको पर्सिना भी कम आएगा और कुछ ही दिनों में आपकी स्किन भी दमकने लगेगी।

चना पास्ता : अक्सर घरों में शाम के समय खेले या चने बनते हैं, लेकिन उन चनों को सुबह नाश्ते में खाना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में आप इन बचे हुए चनों से चना पास्ता तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आप सबसे पहले किसी भी तरह के पास्ता को लेकर उसे पैक पर लिखे निर्देशों के अनुसार पका लें। अब एक भारी तली वाली कड़ही में चना डालें व अपने स्वादानुसार इसमें कुछ मसाले भी मिलाएं। हरा चना आपके पास्ते का बेस होगा। अब पास्ता को भी इसी कड़ही में डालकर अच्छे तरह टॉस करें। आपका चना पास्ता तैयार है। आप सर्व करते समय इसमें कटा हुआ हरा धनिया में डाल सकती हैं।

जिनको पर्यटक बड़े ही चाव से खाते हैं।

कसौली में सबसे ऊंची जगह है, मंकी व्हाइट। यहां से प्रकृति की दूर-दूर तक फैली अनुपम छटा दिखाई पड़ती है। मंकी व्हाइट तथा दूसरी ओर गिलनट पहाड़ी पर लोग सुबह-शाम टहलने निकलते हैं। इन दोनों जगहों पर पिकनिक मनाने वालों की हमेशा भीड़ लगी रहती है। कसौली के अच्छी आबोहवा के चलते यहां पर क्षय रोगियों के लिए सेनेटीरियम बनाया गया है। यहां एक चर्च है जिसमें पुराने जमाने के विभिन्न प्रकार के बूंदीदार रंगीन ग्लास वाले दरवाजे तथा खिड़कियां लगी हुई हैं, जो देखते ही बनती हैं। कसौली क्लब तथा प्रॉवेंटर होटलों के अलावा हिमाचल पर्यटक विभाग ने भी यहां एक होटल बनाया है जहां पर्यटकों की भीड़ हमेशा लोगों का ध्यान आकृष्ट किये रहती है। सर्दियों के मौसम में होटल के बाहर भी लंच परोसा जाता है जिसे लोग वादियों का नजारा लेते हुए आपस में हिलमिलकर बड़े चाव से खाते हैं।



वेज नूडल्स

जरूरी सामग्री : नूडल्स-एक पैक (200 ग्राम), सब्जियां बारीक कटीहुई गाजर -1, शिमला मिर्च-1,पता गोभी-1 छोटी, तेल या मक्खन-2 टेबल स्पून,नमक-एक छोटी चम्मच (स्वादानुसार),काली मिर्च-एक चौथाई छोटी चम्मच, अदरक-एक इंच लम्बा टुकड़ा बारीक कटा, चिल्ली सास-2 छोटी चम्मच, सोया सास-2 छोटी चम्मच, सिरका-2 छोटी चम्मच।

बनाने की विधि: एक बर्तन पानी लें, 1 छोटी चम्मच नमक,एक छोटी चम्मच तेल डाले पानी में डालें , पानी जब अच्छे से उबाल जाये तब नूडल्स को तोड़ कर पानी में डालें। 8-10 मिनट तक इन्हें उबाल नूडल्स को नरम होने के बाद छान लें, फिर ठंडा पानी डाल कर धो लें। एक कढ़ाई में मक्खन गर्म करें, अब अदरक, गाजर, शिमला मिर्च और पता गोभी डाल कर चलाते हुए 2 मिनट पकाएं, फिर नूडल्स, नमक, सोया सास, काली मिर्च, चिल्ले सास और सिरका डाल कर तेज आंच पर लगातार चलाते हुए 2 मिनट तक अच्छे से मिला लें और पकाएं। इसे गर्मा-गर्म परोसें और अपनी पसंद की सोस के साथ खाएं। वेज नूडल्स तैयार हैं।



कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बतियों से दीप्तिमान यह शहर रात में किसी परिलोक से कम नहीं लगता। इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दरंगारई तथा सनावर में टिमटिमाती बतियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक छोटा सा बाजार भी है जो सड़क की ढलान पर स्थित है।

चंडीगढ़ से शिमला जाने वाली सड़क की आधी दूरी पर स्थित है, खूबसूरत हिल स्टेशन कसौली। कालका से करीब 20 किमी ऊपर पहाड़ी की ओर सड़क पर मोड़ है और यहीं इस मोड़ के दूसरी ओर से आता पहाड़ की पहेली हवा का झोंका यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर देता है। प्रकृति की अनुपम छटा को देखकर पर्यटक अभिभूत हो जाता है। यह मधुर हवा का झोंका कहीं ओर से नहीं बल्कि पर्वतीय थलत कसौली की तरफ से आ रहा होता है। उसी मोड़ पर नैरगेज की रेलवे ब्रॉसिंग है जो कई बार बंद मिलती है। नैरगेज की यह रेल की पटरियां पहाड़ के चारों ओर बिखरी पड़ी हैं और उस पर दूर से ही रंगती हुई दिखावाई पड़ती है। लाल, पीले, नीले और सफेद डिब्बे वाली रेलगाड़ी के जिसे 'ट्रॉयॉ ट्रेन' के नाम से पुकारा जाता है, आपको यहां पर दौड़ते हुए दिखाई पड़ेंगी। बस के अलावा इस 'ट्रैवय ट्रेन' से धर्मपुर तक जाया जा सकता है जोकि कसौली का सबसे ही नजदीकी रेलवे स्टेशन है। फिर यहां से किसी भी बस द्वारा कसौली पहुंचा जा सकता है और जो पर्यटक पैदल जाना चाहते हैं वे सड़क मार्ग से करीब तीन घंटे में कालका से कसौली पहुंच सकते हैं। वैसे पैदल जाने का

अपना ही मजा है। पूरे रास्ते में चीड़ के पेड़ों की कतार है और पथियों का कलवर आपका मन बहलाता रहता है। कसौली समुद्र तल से 1927 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, जो शिमला से मात्र 280 मीटर कम है। अतः यहां की जलवायु शिमला जैसी ही है। परंतु यहां शिमला जैसा बड़ा बाजार, भीड़-भाड़, दुकानदारों की लूट और महंगाई नहीं है। जो लोग रोज की भागतौड़ की जिंदगी से ऊबकर कुछ दिन आराम करना चाहते हैं, उनके लिए कसौली एक आदर्श जगह है। यहां संगठित क्रियाकलाप का पूर्णतया अभाव है। इसलिए ऐसा लगता है मानो समय ठहर गया हो। शांति ही यहां की खासियत है। कुछ दिनों तक दुःख-दर्द और तकलीफ को भूलकर केवल आराम करने के लिए इससे अच्छी जगह नहीं हो सकती। कसौली की दो प्रमुख सड़कें हैं- अपर माल और लोअर माल। इन सड़कों के दोनों किनारों पर चीड़, ओक और देवदार के वृक्षों से घिरे पकान हैं। पुराने फैसल के हैं हवादार मकान या तो सेना के अधिकारियों के हैं या फिर लम्बे समय से रह रहे वहां के निवासियों के। इस क्षेत्र में वाहन के आने का समय निर्धारित है जिसके कारण अन्य समय में पर्यटक स्वच्छंद रूप से वादियों का लुफ्त उठाते रहते हैं।

कसौली से रात में शिमला की छटा देखते ही बनती है। असंख्य टिमटिमाती बतियों से दीप्तिमान यह शहर रात में किसी परिलोक से कम नहीं लगता। इससे थोड़ा नीचे सबातू और उसके दायीं ओर दरंगारई तथा सनावर में टिमटिमाती बतियां जुगनुओं की उपस्थिति का भ्रम पैदा कर देती हैं। इसके दक्षिण में स्थित

चंडीगढ़ तथा अंबाला की विस्तृत बिजलियां भी दिखती हैं। खुले और साफ मौसम में इन दृश्यों को दिन में भी देखा जा सकता है। यहां पर एक छोटा सा बाजार भी है जो सड़क की ढलान पर स्थित है। प्रत्येक वर्ष, अक्टूबर माह के प्रथम चार दिनों में कसौली में मेले जैसी हलचल नजर आती है क्योंकि इस समय सनाना में स्कूल का

स्थापना दिवस मनाया जाता है। यहां बच्चों के माता-पिता कोने-कोने से आते हैं। मानसून के दिनों में बच्चों की बीमार पड़ते ही कसौली की हरियाली और भी बढ़ जाती है। बारिश थमी नहीं कि कुहसे का साम्राज्य हो जाता है और पर्यटक उसमें घूमने निकल पड़ते हैं। रास्ते में जाह-जाह भुंटे पकाने वाले भुंटे बेचते हुए मिलते हैं

देखने लायक है कसौली की

प्राकृतिक छटा

मुंगेली में यातायात व्यवस्था सुधारने पुलिस ने व्यापारियों और वाहन संघों के साथ की बैठक

नई दृष्टिबिंदु / मुंगेली

एसएसपी भोजराम पटेल के निर्देशन में यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने के लिए व्यापारियों, ड्राइवर संघ और ऑटो संघ के पदाधिकारियों की बैठक ली बैठक में चेयर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष राजकुमार वाघवा, ड्राइवर संघ अध्यक्ष महेरा जायसवाल, ऑटो संघ अध्यक्ष गज्जू पात्रे और बस युनियन के सदस्य मौजूद रहे।

लिए गए निर्णय

सुबह 10 से रात 10 बजे तक भारी वाहनों के शहर प्रवेश पर प्रतिबंध का पालन।



- सभी दुकानदार उठकर का 10 दिन का बैकअप रखेंगे और कैमरे सड़क की ओर लगाएंगे। - दुकानों के सामने पीली-सफेद पट्टी के अंदर ही व्यवस्थित पार्किंग।

- बसें निर्धारित स्थान पर ही सवारी उतारेंगी- बैठाएंगी, माल वाहनों में सवारी नहीं।

- नशे में वाहन न चलाने और नाबालिगों को वाहन न देने की हिदायत।

साइबर जागृति अभियान - बैटक में "मैं जागरूक हूँ, साइबर क्राइम से मुक्त हूँ" सेल्फो के माध्यम से डकठ, बैंक जानकारी साझा न करने और अनजान लिंक पर क्लिक न करने के प्रति जागरूक किया गया।

कमरछट पर धामनसरा में उमड़ी आस्था, संतान की सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने किया पूजन



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

समीपस्थ ग्राम धामनसरा में छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा कमरछट (हल थछी) धूमधाम से मनाई गई।

महिलाओं ने अपने संतान की सुख-समृद्धि और लंबी उम्र के लिए दिनभर ब्रत रखकर विधि-विधान से भगवान शिव-पार्वती और हल-सहीत देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की।

धामन सगरी तालाब किनारे बड़ी संख्या में महिलाओं ने पसहर चाल, भैरव के दूध-देही से पूजा कर परिवार और ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

रंग-तरंग के दूसरे दिन गुदुम बाजा और मोहरी की धुनों पर झूमे दर्शक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन रंग-तरंग का दूसरा दिन छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति के नाम रहा। गुदुम बाजा और मोहरी की पारंपरिक धुनों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में पूर्व संस्कृति आयुक्त अमल कुमार साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने लोक कलाकारों और बच्चों से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया और लोक कला को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर साहित्यकार विजय मिश्रा, समाजसेवी उदयभान, वरिष्ठ पत्रकार दीपेंद्र दीवान सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। आयोजन में लोकवाद्यों की प्रस्तुतियों ने छत्तीसगढ़ की विरासत को जीवंत किया, जिसे दर्शकों की खूब सराहना मिली।

700 सहायक प्राध्यापकों की भर्ती में देरी न हो - मंत्री टंक राम वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने आज मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक ली। 1 जुलाई के निर्णयों के क्रियान्वयन में देरी पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने भर्ती और पदोन्नति में तेजी लाने के निर्देश दिए। 700 सहायक प्राध्यापकों की अटक की भर्ती की रूकावट दूर करने और 595 प्राध्यापकों की सीधी भर्ती तेज करने को कहा। प्राचार्य पदोन्नति 15 सितंबर तक पूरी करने

का निर्देश। वरिष्ठ-प्रवर वेतनमान में देरी से कोर्ट केस बढ़ने पर चिंता जताई। 1 अक्टूबर तक सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण करने को कहा। 2026-27 के कॉलेजवार बजट की पूरी सूची तलब की। अतिथि व्याख्याताओं के काम का आकस्मिक निरीक्षण होगा। सीट वृद्धि प्रस्ताव दिसंबर तक लेकर जनवरी में स्वीकृति देने के लिए नया कैलेंडर। लॉ, बी.एड. के आवेदन 31 दिसंबर तक निपटाने, 4-वर्षीय बी.एड. के लिए उठकर से चर्चा हेतु टीम दिखले भेजने के निर्देश।

सोमनी पंचायत : 16 पंचों में दो फाड़, अनिता बनी कार्यतकारी सरपंच



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सुखियों में रहने वाली सोमनी ग्राम पंचायत में बुधवार को कार्यकारी सरपंच का चुनाव हुआ, जिसमें सरपंच नीलिमा साहू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले 16 पंचों में दो फाड़ हो गया।

वार्ड-5 की पंच अनिता नोहर साहू 13 वोट लेकर कार्यकारी सरपंच चुनी गईं। उन्हें 12 पंचों का समर्थन मिला, जबकि प्रतिद्वंद्वी रेखा विश्वकर्मा को 7 वोट मिले। गौरतलब है कि 20 अगस्त को हुए अविश्वास

प्रस्ताव में 16 पंचों ने एकजुट होकर निर्वाचित सरपंच नीलिमा साहू को गिरा दिया था। उस समय नीलिमा के साथ केवल 4 पंच थे। प्रस्ताव के 13वें दिन कार्यकारी सरपंच का चुनाव कराया गया।

चुनाव परिणाम के बाद गांव के चौक-चौराहों पर दिनभर चर्चा रही कि अविश्वास में एकजुट दिखे पंचों में फूट कैसे पड़ी। क्या यह कुर्सी का किस्सा है या नेताओं का दबाव? नियमानुसार छह माह के भीतर सरपंच पद के लिए उपचुनाव होना है, जिससे राजनीति और गरमा गई है।

ओवैसी को झटका, AIMIM प्रवक्ता आसिम वकार कांग्रेस में शामिल



नई दृष्टिबिंदु / नई दिल्ली

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 से पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी अक्वटक को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैमद आसिम वकार ने कांग्रेस का दायन धाम लिया है।

कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में यूपी कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गोतम, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की मौजूदगी में वकार कांग्रेस में शामिल हुए। वकार करीब 10 साल से अक्वटक में थे, इससे पहले 20 साल समाजवादी पार्टी में रहे। कांग्रेस में

आते ही वकार ने ओवैसी पर हमला बोला। कहा - "ऊपर से लगता था हम बीजेपी से लड़ रहे हैं, लेकिन जमीन पर लड़ाई हमेशा कांग्रेस और विपक्षी दलों से ही होती रही थी। अगर हर उस दल से लड़ेंगे जो बीजेपी को हटाना चाहता है तो फायदा किसे होगा?" उन्होंने दावा किया कि उनके पास कई 'राज' हैं जो किसी भी सामने लाएंगे और बंगाल के नेता हुमायूँ कबीर को लेकर स्टिंग का जिक्र भी किया। इस दल-बदल को यूपी में मुस्लिम वोट बैंक (लगभग 20%) के लिए खड़ाई से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां कांग्रेस-सपा गठबंधन और अक्वटक तीनों की नजर है।

रामगढ़ में मितानिन बहनों से मंत्री राजेश अग्रवाल का आत्मीय संवाद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उदयपुर विकासखंड के रामगढ़ में पर्यटन-संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने मितानिन बहनों से संवाद कर उनके कार्य, अनुभव और समस्याओं की जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि मितानिन बहनें छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत कड़ी हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को आसिम बनाते हैं।

तक पहुंचाने और जागरूकता बढ़ाने में अग्रिम भूमिका निभा रही हैं। गांव-गांव में सीधे संपर्क से वे समुदाय और स्वास्थ्य तंत्र के बीच सेतु बनी हैं। संवाद के दौरान मंत्री ने मितानिन की समस्याएं और सुझाव गंभीरता से सुने। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी उनका सेवा-समर्पण सराहनीय है और स्वास्थ्य छत्तीसगढ़ के निर्माण में उनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रहेगी।

Baked by Suhani

Premium Homemade Cakes & Desserts

Birthday Cakes
 Anniversary Cakes
 Custom Theme Cakes

Serving Bhilai & Durg

Followed by s_andeep
 Follow Message

Order Now:
 @baked.by.suhani
 MO.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए

फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण

नौकरी में सहायक

प्रवेश प्रारंभ 2026-2027

निजी कंपनियों जैसे फायर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियां मिलती हैं।

सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा

फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स बायसाफिक प्रो. स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सर्व-फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)

फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट

(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)

कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़

ADMISSION HELPLINE: 7697212782